कोटद्वार, बुधवार
7 जनवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 228 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

आरोपियों को बचाने के लिए कवज बनकर खड़ी है सरकारः रावत

रुड़की। अंकिता भंडारी मामले में कांग्रेस ने कलियर और रुड़की क्षेत्र में मंगलवार को न्याय यात्रा निकाली। पदयात्रा कांग्रेस कार्यालय से मुख्य बाजार से होकर ललित चौक पर संपन्न हुई। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा सरकार में बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं, जो समाज के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिल जाता, कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रहेगा। न्याय यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि पूरा उत्तराखंड अंकिता के लिए न्याय की मांग कर रहा है लेकिन सरकार अपनी हठधर्मिता पर उतारू है और आरोपियों को बचाने के लिए कवच बनकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि आज तमाम सबूत सामने आ चुके हैं लेकिन अब भी वीआईपी पर कोई कारवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अंकिता हत्याकांड मामले में न्याय दिलवाने के नाम पर दिल्ली से देहरादून तक की भाजपा मौन है।

केलाखेड़ा में ट्रक की टक्कर से 30 वर्षीय कारपेंटर की मौत

काशीपुर। मंगलवार को केलाखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग–74 पर पैदल सड़क पार कर रहे एक युवक को फिदानगर तिराहे के पास तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। केलाखेड़ा के वार्ड संख्या चार निवासी 30 वर्षीय नूर मोहम्मद पुत्र अहमद हुसैन कारपेंटर का काम करता है। सुबह नूर अपने घर से पैदल काम पर जाने के लिये निकला था तभी केलाखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग–74 पर फिदा नगर तिराहे पर सड़क पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने नूर को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पहली फ्लाइट साढ़े तीन घंटे देरी से, दूसरी रद्द

रुद्रपुर। मंगलवार को कोहरे के चलते पंतनगर एयरपोर्ट में दृश्यता बहुत कम थी। इसके चलते इंडिगो एयरलाइंस की दिल्ली–पंतनगर के बीच पहली फ्लाइट साढ़े तीन घंटे की देरी से पंतनगर पहुंची और लगभग पांच बजे वापस दिल्ली लौटी। जबकि शाम चार बजे पंतनगर पहुंचने वाली दूसरी फ्लाइट रद्द कर दी गईं। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। विमानों की सुरक्षित लैंडिंग के लिए न्यूनतम 800 मीटर रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) की आवश्यकता होती है, लेकिन मंगलवार को पंतनगर एयरपोर्ट पर दृश्यता मात्र 500 मीटर ही थी। निर्धारित मानकों से कम दृश्यता होने के कारण विमान को उतारना संभव नहीं था। इसलिए इंतजार करने के बाद दृश्यता बढ़ने पर इंडिगो की पहली उड़ान संख्या 6ई–7324 को दिल्ली में साढ़े तीन घंटे की देरी से टेक आफ की अनुमति मिली। यह दोपहर 13:05 बजे पंतनगर पहुंचती है। जबकि दूसरी उड़ान संख्या 6ई–7156 को रद्द कर दिया गया। यह शाम 16:15 बजे पंतनगर पहुंचती है। पंतनगर एयरपोर्ट के निदेशक पवन कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इसलिए दृश्यता बढ़ने पर पहली उड़ान को दिल्ली से साढ़े तीन घंटे देरी से संचालन की अनुमति मिली, जबकि दूसरी उड़ान को रद्द कर दिया गया। एयरलाइंस प्रबंधन की ओर से यात्रियों को पूर्ण किराया वापसी अथवा सड़क मार्ग से गंतव्य तक पहुंचाने का विकल्प दिया गया है।

एम्स ऋषिकेश ने फिर से शुरू की ड्रोन मेडिकल सेवा

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश ने मंगलवार को ड्रोन मेडिकल सेवा फिर से शुरू कर दी। मंगलवार दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर ड्रोन ने एम्स के हेलीपैड से टिहरी के लिए उड़ान भरा, जिसमें टिहरी स्थित बौराड़ी के लिए कई जरूरी दवाएं भेजी गईं। करीब 50 किमी का सफर ड्रोन ने तीस मिनट में पूरा किया। संस्थान शीघ्र ही इस सेवा को नियमित तौर पर सुचारु करेगा, जो स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से सुदूरवर्ती क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष लाभकारी सिद्ध होगी। 2023 में शुरू हुई थी ड्रोन सेवा उत्तराखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले गंभीर मरीजों के उपचार में एम्स ऋषिकेश की ड्रोन मेडिकल सेवा फरवरी 2023 में शुरू की गई थी।

ऑडियो क्लिप और ब्लैकमेलिंग के मामलों में फंसी उर्मिला सनावर पहुंची दून

एसआईटी के सामने होंगी पेश, उर्मिला सनावर की मौजूदगी से अंकिता हत्याकांड की जांच ने पकड़ी नई रफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी के लिए न्याय मांगने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर का कोई अता–पता नहीं था। उनका मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा था। हरिद्वार पुलिस ने सहारनपुर वाले घर पर नोटिस चस्पा किया गया था। अंकिता हत्याकांड से जुड़े चर्चित ऑडियो क्लिप और ब्लैकमेलिंग के मामलों में फंसी अभिनेत्री उर्मिला सनावर आज देहरादून पहुंची। कल बुधवार को वह एसआईटी के सामने पेश होंगी। एसआईटी उर्मिला से पूछताछ करेगी। अभिनेत्री उर्मिला सनावर का सहारनपुर में थाना सदर बाजार क्षेत्र के गांव मोहल्ला गोविंद नगर में घर है। वह हरिद्वार जिले की ज्वालापुर विधानसभा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर से शादी के बाद चर्चाओं में आई थी। अब उर्मिला उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी मर्डर केस में न्याय दिलाने के लिए सामने आईं हैं। भाजपा नेताओं के हाथ होने का लगाया आरोपः अभिनेत्री इस हत्याकांड में भाजपा नेताओं के हाथ होने का आरोप लगाया है। इसी मामले में 29 दिसंबर को उर्मिला अपनी फेसबुक पर लाइव आई थी। इसके बाद से उर्मिला का कुछ पता नहीं लगा है। पुलिस ने भी उसके सहारनपुर वाले घर पर नोटिस चस्पा कर बयान और साक्ष्यों के साथ बुलाया है। शनिवार शाम को मोबाइल नंबर मिलाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी स्विच ऑफ आ रहा है। बता दें कि उर्मिला सनावर कई फिल्मों व टीवी सीरियल में काम कर चुकी हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी की ओर से पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर के खिलाफ डालनवाला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसमें दोनों आरोपियों पर जानबूझकर सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो जारी कर उनकी छवि खराब करने व दंगे फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। तहरीर में कांग्रेस, यूकेडी और आप को साजिश का सूत्रधार बताकर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है।

नैनीताल में पर्यटन गाइड का शव मिलने से सनसनी

नैनीताल। मल्लीताल क्षेत्र के गाड़ी पड़ाव में सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान टांडा, बागेश्वर निवासी 24 वर्षीय गौरव जोशी के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात राहगीरों ने गाड़ी पड़ाव क्षेत्र में एक युवक को सड़क किनारे बेसुध अवस्था में पड़ा देखा। जिसे उन्होंने बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला गौरव जोशी लंबे समय से नैनीताल में पर्यटन गाइड के रूप में कार्य कर रहा था। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल युवक की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

धारी में मल्लीदीनी में वन विभाग के पिंजरे में फंसा गुलदार

नैनीताल। धारी ब्लॉक के मल्ली दीनी में गुलदार को पकड़ने में वन विभाग को सफलता मिली है। विभाग की ओर से लगाए गए पिंजरे में गुलदार करीब 10 दिन बाद बीते सोमवार देर रात फंस गया। जिसे रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर भेज दिया है। हालांकि, तल्लीदीनी क्षेत्र में महिला को निवाला बनाने वाला यही गुलदार है या कोई दूसरा? इसका पता फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। नैनीताल जिले के धारी ब्लॉक के तल्लीदीनी में 26 दिसंबर को अपने घर से कुछ दूरी पर मवेशियों के लिए चारा काट रही हेमा देवी पर गुलदार ने हमला कर दिया था। परिजनों के शोर मचाने तक गुलदार महिला को कई किमी जंगल के अंदर ले गया था। काफी खोजबीन के बाद महिला का क्षत–विक्षत शव बरामद किया था। नाराज ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए, हंगामा किया था। जिसके बाद वन विभाग ने क्षेत्र में अलग–अलग स्थान पर ट्रैप कैमरे व पिंजरे लगाए। साथ ही अलग–अलग

टीमों को गश्त करने में लगाया गया था। यही नहीं, वन विभाग ने जंगल जाने वाली महिलाओं को सुरक्षा भी दी जा रही थी। करीब एक सप्ताह बाद विभाग को अपने कुछ ट्रैप कैमरों में गुलदार की मूवमेंट दिखाई दी थी। जिसके बाद इधर 10 दिन बाद बीते सोमवार की देर रात मल्लीदीनी क्षेत्र में एक गुलदार वन विभाग के पिंजरे में फंस गया। रेंजर विजय भगत ने बताया कि सोमवार देर रात मल्लीदीनी में एक गुलदार पकड़ा गया। जिसे वन्य जीव वैज्ञानिक प्रशिक्षण के लिए रेस्क्यू सेंटर रानीबाग भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि महिला पर हमला करने वाला यही गुलदार है या नहीं? इसकी जानकारी फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मिल सकेगी। अभी भी क्षेत्र में लगातार गश्त जारी है।

छावनी कार्यालय के पास अमोली मोहल्ले में दिखा गुलदार, दहशत

विकासनगर। प्रदेश में संचालित गो ग्राम पशुधन योजना में निराश्रित गाय और अन्य गो वंश को शामिल करने की मांग रुद्र सेना ने की है। मंगलवार को इस आशय का ज्ञापन पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा को सौंपते हुए रुद्र सेना के कार्यकर्ताओं ने बताया कि इससे निराश्रित गोवंश को आसरा मिलने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। रुद्र सेना के संस्थापक राकेश तोमर उत्तराखंडी ने बताया कि वर्तमान में संचालित गो ग्राम पशुधन योजना के तहत पांच नंदी का पालन करने पर आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना के संचालन से सड़कों पर नंदी का आतंक कुछ कम हुआ है, लेकिन अभी भी प्रदेश भर में सड़कों पर निराश्रित गाय और अन्य गोवंश घूमते रहते हैं, जिससे कई बार सड़कों पर दुर्घटनाएं होती हैं।

गुणवत्ता आधारित संस्कृति को बढ़ावा देना जरूरी : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय मानक ब्यूरो के 79वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को भारतीय मानक ब्यूरो के 79वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो ने बीते आठ दशकों में गुणवत्ता, विश्वसनीयता और उपभोक्ता संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर गुणवत्ता ही पहचान के मंत्र को साकार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947 में भारतीय मानक संस्था के रूप में शुरू हुई यह यात्रा आज देश की औद्योगिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्रगति की मजबूत आधारशिला के रूप में स्थापित हो चुकी है। कहा कि बीआईएस द्वारा मानकीकरण, प्रमाणीकरण और गुणवत्ता परीक्षण के माध्यम से न केवल उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाया गया है, बल्कि उपभोक्ताओं के जीवन में भरोसे और सुरक्षा की भावना को भी सुदृढ़ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मानकीकरण का क्षेत्र केवल उद्योग जगत तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, ऊर्जा, जल संरक्षण, आपदा प्रबंधन एवं डिजिटल सेवाओं तक विस्तृत हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा डिजिटल सुरक्षा, मेडिकल डिवाइस, ड्रोन, इलेक्ट्रिक वाहन, रिसाइकिल सामग्री एवं हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में समयानुकूल मानक तय कर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो सतत विकास के लक्ष्य के अनुरूप इकोलॉजी और इकॉनमी के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में सराहनीय योगदान दे रहा है। राज्य में बीआईएस द्वारा लोक निर्माण विभाग, आपदा प्रबंधन, एमडीडीए, यूपीसीएल सहित विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करते हुए मानकीकरण संबंधी जागरूकता और सहयोगात्मक कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियान देश की आर्थिक और तकनीकी प्रगति के आधार स्तंभ बन चुके हैं। कहा कि भारतीय उत्पाद विश्व में गुणवत्ता का मानदंड बनें यह प्रधानमंत्री का स्पष्ट दृष्टिकोण है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में बीआईएस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी अपने स्थानीय उत्पादों हस्तशिल्प, जैविक कृषि उत्पाद, औषधीय जड़ी-बूटियां एवं स्थानीय खाद्य उत्पाद के लिए उच्च गुणवत्ता मानक स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। इस अवसर पर विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती सविता कपूर, निदेशक भारतीय मानक ब्यूरो सौरभ तिवारी, महानिदेशक यू-कॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, ब्रिगेडियर के.जी बहल (सेनि), उद्योग एवं व्यापार संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सरबजीत कौर की भारत वापसी फिर अटकी, वाघा बॉर्डर पहुंचने के बाद अंतिम समय पर रोक

अमृतसर ,पाकिस्तान में रह रही भारतीय सिख महिला सरबजीत कौर की भारत वापसी एक बार फिर टल गई है। अटारी–वाघा अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए उसकी वापसी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन अंतिम समय पर पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने इस प्रक्रिया पर रोक लगा दी। सीमा पर मौजूद भारतीय एजेंसियों को बिना किसी परिणाम के लौटना पड़ा। सरबजीत कौर पंजाब के कपूरथला जिले की रहने वाली है और वह सिख श्रद्धालुओं के एक जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थी। यात्रा के दौरान वह वहां लापता हो गई थी। बाद में जानकारी सामने आई कि सरबजीत कौर ने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम नूर हुसैन रख लिया और पाकिस्तानी नागरिक नासिर हुसैन से निकाह कर लिया। इसके बाद यह मामला पाकिस्तान में कानूनी विवाद में बदल गया। हाल ही में पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने सरबजीत कौर को भारत भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पाकिस्तानी पुलिस ने उसे खोजकर सोमवार को वाघा बॉर्डर लाया। इमिग्रेशन और कस्टम से जुड़ी औपचारिकताएं भी लगभग पूरी कर ली गई थीं। अटारी सीमा पर बीएसएफ और इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट का स्टाफ भी उसे रिसीव करने के लिए मौजूद था। इसी बीच पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने भारत भेजने की प्रक्रिया पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय का कहना है कि सरबजीत कौर ने अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन किया और निकाह किया है।

नेपाल में भारतीय सीमा के पास भड़की हिंसा

हाई अलर्ट के बाद बॉर्डर सील

नई दिल्ली , नेपाल में एक बार फिर से हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। भारतीय सीमा से सटे नेपाल के पारसा और धनुषा जिलों में हालात बिगड़ने से पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारतीय सीमा भी सील कर दी गई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटित हो।

धनुषा जिले में मस्जिद में तोड़फोड़ से हिंसा की शुरुआत

धनुषा जिले के सखुवा मारान इलाके में कुछ असामाजिक तत्वों ने मस्जिद में तोड़फोड़ की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद इलाके में सांप्रदायिक हिंसा का माहौल पैदा हो गया। इस हिंसा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद और गहरा गया।

पारसा में हिंसक प्रदर्शन

पारसा के बीरगंज में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। बीरगंज, जो बिहार के रक्सौल

जिले के पास स्थित है, में भीड़ ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरबाजी भी की, जिस पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति को काबू में किया।

भारत–नेपाल सीमा सील की गई

बीरगंज और रक्सौल सीमा के पास स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, जिस कारण भारतीय अधिकारियों ने अपनी सीमा भी सील कर दी है। यह कदम क्षेत्र में और बढ़ती हिंसा को देखते हुए लिया गया है।

हिंसा का कारण और सोशल मीडिया की भूमिका

नेपाल पुलिस के अनुसार, मस्जिद में तोड़फोड़ की घटना के बाद धार्मिक भावनाएं भड़क उठीं और दोनों समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति बन गई।

सीएम योगी ने पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियों को दी बड़ी राहत

32,679 पदों पर सभी वर्गों को आयु सीमा में मिलेगी छूट

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को सरकार ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती–2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन साल की छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। सीधी भर्ती–2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके मुताबिक आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा

बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु छूट एक बार के लिए प्रदान की जाएगी। सरकार ने यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली–1992 के नियम–3 के आलोक में लिया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे। सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है कि प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती।

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन, 81 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली , कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन हो गया। उनके परिवारिक सूत्रों ने इस दुखद समाचार की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, 81 वर्षीय सुरेश कलमाड़ी लंबे समय से अस्वस्थ थे और मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे पुणे में उन्होंने अंतिम सांस ली। मिली जानकारी के मुताबिक, सुरेश कलमाड़ी का पार्थिव शरीर आज दोपहर 2 बजे तक एरंडवणे स्थित उनके निवास 'कलमाड़ी हाउसइ् में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे वैकुंठ स्मशानभूमि, नवी पेठ, पुणे में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिवार में उनकी पत्नी, एक विवाहित पुत्र, पुत्रवधू, दो विवाहित पुत्रियां, दामाद और पोते–पोतियां हैं। सुरेश कलमाड़ी महाराष्ट्र के पुणे से पूर्व सांसद रह चुके थे। उन्होंने केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया और भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष का दायित्व भी संभाला। भारतीय खेल जगत से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक उन्होंने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी, जो आज उनके निधन के साथ एक अध्याय बन गई। राजनीति में सुरेश कलमाड़ी को 'पुणे का किंगमेकरइ् भी कहा जाता था।

पूरा जम्मू–कश्मीर भारत के साथ मिलना चाहिए

नई दिल्ली , ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने जम्मू और कश्मीर के पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए इसके पूर्ण एकीकरण की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान के कब्जे का विरोध करते रहे हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि वह दशकों पहले से इस प्रावधान को समाप्त करने के पक्षधर रहे हैं। ब्लैकमैन ने कहा कि उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने की मांग केवल तब नहीं की थी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया और लागू किया। उन्होंने बताया कि वह वर्ष 1992 में भी इस मुद्दे को उठा चुके हैं, जब जम्मू और कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के पलायन की घटनाएं सामने आ रही थीं। उन्होंने उस दौर में हुई बैठकों को याद करते हुए कहा कि तब इसे एक गंभीर अन्याय के रूप में

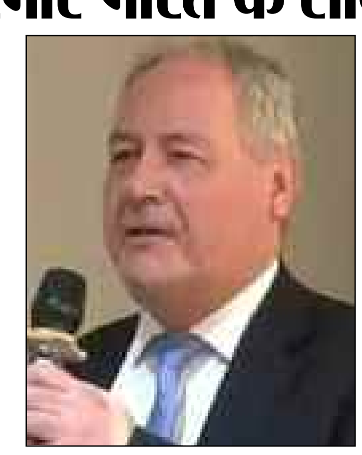

देखा गया था। ब्रिटिश सांसद ने कहा कि उस समय लोगों को यह समझाने के लिए बड़े स्तर पर बैठकें आयोजित की गई थीं कि केवल धर्म के आधार पर लोगों को उनके पैतृक घरों से बाहर निकाला जाना गलत है। उन्होंने कहा कि वह न केवल आतंकवाद की आलोचना करते रहे हैं, बल्कि जम्मू और कश्मीर रियासत के एक हिस्से पर पाकिस्तान के कथित अवैध कब्जे के भी विरोधी रहे हैं। उनके अनुसार, जम्मू और कश्मीर को भारत के शासन के तहत दोबारा एकीकृत किया जाना चाहिए। इससे पहले वर्ष 2016 में एक साक्षात्कार में ब्लैकमैन ने कहा था कि पाकिस्तानी बलों ने अवैध रूप से जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया हुआ है और उन्हें वहां से हटना चाहिए। उन्होंने कहा था कि पूरे जम्मू और कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग मानते हुए उसका एकीकरण किया जाना चाहिए और उन लोगों को न्याय मिलना चाहिए, जिन्हें उनके घरों से विस्थापित किया गया था। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कश्मीरी पंडित सुरक्षित तरीके से अपने घरों में लौट सकें। ब्लैकमैन ने यह भी सुझाव दिया कि भारत सरकार को कम से कम दो स्मार्ट सिटी विकसित करनी चाहिए, जिससे आंतरिक रूप से विस्थापित कश्मीरी पंडितों को वापस लौटने के लिए प्रोत्साहन मिल सके और वे घाटी में दोबारा अपना जीवन शुरू कर सकें।

आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा, सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी मामले में सुप्रीमकोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

नई दिल्ली ,सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी के मामले में देवास्वोम बोर्ड के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शंकर दास ने केरल हाईकोर्ट के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी।

जस्टिस दीपांकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि देवास्वोम बोर्ड के सदस्य के तौर पर शंकर दास की जिम्मेदारी बनती है और वे चोरी के मामले में अपनी भूमिका से पल्ला नहीं झाड़ सकते, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में शंकर दास की

उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए केवल उस आधार पर नरमी बरती थी। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों को उचित ठहराते हुए उन्हें हटाने से इनकार कर दिया। दरअसल, केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के मामले में केपी शंकर दास और के विजयकुमार आपराधिक साजिश से बच नहीं सकते। हाईकोर्ट की इसी टिप्पणी को हटाने की मांग को लेकर शंकर दास ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार करने से इनकार करते हुए अपील खारिज कर दी। सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर से कई किलो सोने की चोरी और कुछ कीमती सामानों के गायब होने की खबर मुख्य मुद्दा बनकर उभरी। यह सोना 1998–99 में यूबी ग्रुप के चेयरमैन विजय माल्या द्वारा दान की गई द्वारपाल मूर्तियों पर लगी परत का हिस्सा था। मामले में केरल हाईकोर्ट के दखल के बाद एक उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी। जांच के बाद एन. वासु और ए. पद्मकुमार को गिरफ्तार किया गया, जो त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी–मार्क्सवादी के वरिष्ठ नेता हैं। इन गिरफ्तारियों ने विपक्ष के इस रुख की पुष्टि की कि मंदिर प्रशासन का इस्तेमाल सत्ता केंद्रों के करीबियों द्वारा व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जा रहा था, जिससे व्यापक साजिश की सीबीआई जांच की मांग उठी।

तेलंगाना से उज्जैन दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी ट्राले में घुसी, 2 की मौत

उज्जैन ,धर्मनगरी उज्जैन में कोहरे ने दो की जान ले ली। दरअसल, बाबा महाकाल के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं के साथ मंगलवार सुबह एक हृदय विदारक हादसा हो गया। तेलंगाना से आ रही एक 'तूफानइ् गाड़ी नागझिरी थाना क्षेत्र के चंदेश्वरी गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह के घने कोहरे के कारण हुआ। कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम होने से ड्राइवर सड़क पर खड़े ट्राले को देख नहीं पाया और गाड़ी सीधे ट्राले में जा घुसी। इस भीषण भिड़ंत में ड्राइवर और उसके बगल में बैठे एक यात्री की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। गाड़ी में कुल 13 लोग सवार थे, जो तेलंगाना से उज्जैन और फिर यहां से अयोध्या दर्शन के लिए जाने वाले थे। इस हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत नाजुक होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है।

गुजरात में दूषित पानी का कहर : 7 साल की मासूम की मौत

गांधीनगर में 100 से ज्यादा बच्चे अस्पताल में भर्ती, मचा हड़कंप

गांधीनगर , गुजरात की राजधानी गांधीनगर में दूषित पानी पीने से कोहराम मच गया है। शहर के कई इलाकों में गंदा पानी पीने की वजह से बड़ी संख्या में लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गए हैं। इस प्रकोप का सबसे दुखद पहलू सोमवार सुबह सामने आया, जब सिविल अस्पताल में भर्ती एक 7 साल की बच्ची काजल कनौजिया की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मृतक बच्ची के माता–पिता ने बताया कि काजल पिछले 15 दिनों से बीमार चल रही थी। शुरुआती जांच में ही उसे टाइफाइड होने की पुष्टि हो गई थी। हालत बिगड़ने पर उसे चार दिन पहले सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां आज सुबह उसने दम तोड़ दिया। सिविल अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट ने जानकारी दी कि अस्पताल में अभी भी करीब 150 मरीज भर्ती हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इनमें से दो मरीजों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

सेक्टर 24, 26 और 29 में सबसे बुरा हाल

दूषित पानी का सबसे ज्यादा असर गांधीनगर के सेक्टर 24, 26 और 29 में देखने को मिल रहा है। इन इलाकों के निवासियों ने बताया कि नलों से गंदा पानी आ रहा है, जिसे पीने से लोग टाइफाइड और पेट की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

सम्पादकीय

पुख्ता साक्ष्यों की प्रतीक्षा

उत्तराखंड की राजनीति में अंदर तक घुस चुके अंकिता भंडारी प्रकरण में आखिरकार मुख्यमंत्री को भी मीडिया के आगे अपना पक्ष रखने के लिए विवश कर दिया है। इस प्रकरण में पत्रकारों के सामने उन्होंने न केवल प्रकरण से जुड़े जांच के तथ्यों को सामने रखा बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि प्रकरण से जुड़े अन्य साक्ष्य सामने आने के बाद सरकार किसी भी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगी, हालांकि इससे पहले अंकित के माता–पिता से एक बार मिलकर आगे की रणनीति जरूर तय करेंगे। ईधर इस पूरे प्रकरण में ज्वाला भड़काने वाली अभिनेत्री उर्मिला राठौर गुप्त तरीके से एसआईटी जांच में शामिल होने के लिए आ रही हैं हालांकि वे कब जांच दल के आगे पेश होगी यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अब पूरे प्रदेश की निगाह ही नहीं बल्कि केंद्र तक उर्मिला के अगले कदम पर निगाहें लगी हुई है। उत्तराखंड के इतिहास में शायद यह पहला प्रकरण है जिसमें पहाड़ की बेटी के लिए पूरा प्रदेश आंदोलन में जुटा हुआ है और सीबीआई जांच की मांग कर रहा है। हालांकि यह काफी हैरानी भरा है कि केंद्र की ओर से अभी तक इस मामले में किसी भी प्रकार का बयान नहीं दिया गया है और ना ही कथित तौर पर वीआईपी का नाम सामने आने के बाद किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने आई है। प्रदेश के लोगों में "डबल इंजन" की सरकार को लेकर भी रोष है कि अब तक केंद्र के प्रथम पंक्ति के नेताओं ने क्यों मौन साध रखा है? प्रकरण को लेकर प्रदेश में जिस प्रकार का माहौल बना हुआ है और मुख्यमंत्री आवास कूच के दौरान आम लोगों की भागीदारी प्रदर्शन में नजर आई उसके बाद यह तय था कि अब सरकार को कोई ना कोई कदम अवश्य उठाना पड़ेगा। संभवत: यही कारण है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अपना पक्ष रखने के लिए पत्रकार वार्ता बुलानी पड़ी। हालांकि प्रकरण में सीबीआई जांच को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है और अधिकांश सवालों के जवाब गोलमोल ही पेश कर दिए गए हैं। फिलहाल तो प्रतीक्षा है कि ऑडियो क्लिप से तहलका मचाने वाली उर्मिला राठौर एसआईटी जांच दल के आगे कब पेश होगी और क्या उनके द्वारा पेश किए जाने वाले सबूत उत्तराखंड की राजनीति में एक बड़ी हलचल मचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे? माना जा रहा है कि फिलहाल तो वह ऑडियो क्लिप को लेकर ही एसआईटी जांच दल के आगे अपनी बात रख सकती है और इसके बाद ही ऑडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच कराई जा सकेगी। पूरा प्रदेश चाहता है कि इस प्रकरण में भले ही आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है लेकिन आखिर वह कथित वीआईपी वास्तव में है कौन जिसके पीछे इस प्रकार की पूरी गुत्थी उलझी हुई है? अगर किसी भी बड़े नेता की, फिर वह चाहे केंद्रीय या राज्य सत्ता पक्ष से जुड़ा हुआ हो या फिर दूसरे दलों से संबंध रखता हो, अंकिता प्रकरण में ऐसे व्यक्ति की भूमिका जनता के सामने आनी ही चाहिए। यह तभी संभव हो पाएगा जब सरकार की मंशा साफ होगी और सबूतों पर कारगर तरीके से काम किया जा सकेगा। यहां यह भी बेहद जरूरी है कि अभिनेत्री उर्मिला राठौर की सुरक्षा और विश्वसनीयता को भी प्राथमिकता पर रखना होगा। किसी एक खास व्यक्ति को बचाने के लिए सबूत के साथ तोड़फोड़ ना होने पाए इसके लिए जांच दल को अपनी कर्तव्य निष्ठा को बिना दबाव के जिम्मेदारी से निभाना होगा।

ग्रामीण विद्युतीकरण: रोशनी के साथ विकास का उजाला

विकास शर्मा

केन्द्र सरकार हाल ही में ग्रामीण विकास के लिए एकीकृत योजना वी बी जी राम जी लेकर आई है। इसके पीछे व्यापक नजरिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों का टिकाऊ विकास हो। इसके लिए रोजगार सृजन और बुनियादी ढाँचा विकास पर बल दिया जाएगा। विकास की व्यापक कार्ययोजना को गति प्रदान करेगी विद्युत ऊर्जा जिसे मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में प्रमुखता प्रदान की थी। भारत जहाँ लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है वहाँ ग्राम और ग्रामीण की ऊर्जा संपन्नता ही विकसित भारत के लक्ष्य को परवान चढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ को इस मामले में बढ़त हासिल है। छत्तीसगढ़ सिर्फ सरप्लस बिजली वाला राज्य नहीं बल्कि यहाँ की बिजली लोगों की समृद्धि का बड़ा कारक है। गौर करने वाली बात यह भी है कि राज्य बनने के पहले तकनीकी रूप से प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका था पर उपभोक्ताओं की संख्या और वितरण गुणवत्ता के लिहाज से स्थिति बहुत निराशाजनक थी। बीते 25 वर्षों को इस लिहाज से अहम माना जा सकता है क्योंकि अब गाँव तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि जमीनी तौर पर विद्युतीकृत हैं।

पहला गाँव जहाँ आई बिजली

वैसे यह जानना रोचक है कि छत्तीसगढ़ में मध्यभारत प्रांत के दौर में (1 नवंबर 1956 के पूर्व) ग्राम विद्युतीकरण की शुरूआत हो गई थी। मोहला–मानपुर जिले के कुल्हारडोह गाँव को यह सौभाग्य मिला । यहाँ 1953 में बिजली आई, यह अलग बात है कि विद्युतीकरण की परिभाषा तब कुछ और थी। इसके बाद रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक के मानिकचौरी गाँव में अगस्त 1956 में मध्यप्रदेश बनने के पहले तथा मध्यप्रदेश बनने के बाद सबसे पहले 31 दिसंबर 1956 में बस्तर जिले के जगदलपुर ब्लॉक के जीरागाँव में बिजली की दस्तक हुई। यह सिलसिला चल पड़ा एक झप्एक कर सभी जिलों में बिजली पहुँचती चली गई। वर्तमान 33 जिलों में से 06 जिलों के पहले ग्राम का विद्युतीकरण वर्ष 1970 में हो गया था।

बदलती रही प्राथमिकता

ग्रामीण विद्युतीकरण को लेकर सरकारों ने काम तो शुरू से किए पर प्राथमिकता का क्षेत्र बदलता रहा है। स्वतंत्रता बाद 50 के दशक में अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए सिंचाई के साथ ही लघु उद्यम को प्राथमिकता प्रदान की गई। 60 के दशक में अकाल के भयंकर दौर को देखते हुए विद्युतीकरण को सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण पर केंद्रित किया गया। 70 के दशक में सिंचाई पंपों के साथ मूलभूत अधोसंरचनाओं में बिजली उपलब्धता प्राथमिकता थी। 80 के बाद ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुँच को प्रमुखता दी गई। इधर बीता एक दशक बहुत अहम रहा है जब देश के हर गाँव और हर घर को रोशन करने का लक्ष्य रखा गया जिसे समय से पूर्व हासिल भी किया गया।

समय के साथ बदली परिभाषा

असल में बीते 78 वर्षों में ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा बदलती रही। 1947 के बाद लगभग पाँच दशक तक (अक्टूबर 1997 तक) किसी गाँव के राजस्व क्षेत्र में बिजली का उपयोग किए जाने पर वह गाँव विद्युतीकृत माना गया। अक्टूबर 1997 के बाद इसमें बदलाव हुआ। किसी गाँव की राजस्व सीमा के अंदर रिहायशी क्षेत्र में बिजली का उपयोग किसी भी कार्य में किया गया (औद्योगिक, व्यावसायिक या घरेलू) तो वह गाँव विद्युतीकृत कहा गया।

17 फरवरी 2004 के बाद ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा को अधिक प्रभावी बनाया गया। गाँव की आबादी वाले क्षेत्र में वितरण लाइन , ट्रांसफार्मर जैसी बुनियादी विद्युत अधोसंरचना स्थापित हो , साथ ही दलित बस्ती में भी ऐसी अधोसंरचना विकसित हो तथा गाँव के कुल घरों में कम से कम 10 प्रतिशत घरों में विद्युत की आपूर्ति की जा रही हो तब वह गाँव विद्युतीकृत माना गया।

योजनाओं ने बदली तस्वीर

ग्रामीण विद्युतीकरण को प्राथमिकता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण नीति ,2006 बनाई गई। सभी घरों में वर्ष 2009 तक बिजली पहुँचाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति का लक्ष्य रखा गया। साथ ही न्यूनतम जीवन रेखा खपत 01 यूनिट प्रति घर प्रतिदिन सुनिश्चित किया गया। इस लक्ष्य को पाने के लिए राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के रूप में एकीकृत योजना अप्रैल 2005 में शुरू की गई। इससे ग्रामीण विद्युतीकरण के काम में तेजी आई पर अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र के घरेलू और कृषि दोनों ही श्रेणी के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवंबर 2014 को दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) शुरू की। इस योजना ने लक्ष्य आधारित परिणाम दिए हैं और आज ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो रही है।

रोशन करने चला अभियान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण विद्युतीकरण के दायरे को आगे बढ़ाते हुए हर घर को रोशन करने का लक्ष्य निर्धारित किया। 25 सितंबर 2017 को प्रधानमंत्री हर घर मुफ्त बिजली योजना (सौभाग्य) लागू की गई और 2019 तक हर घर को बिजली से रोशन करने का लक्ष्य रखा गया । ऑफ ग्रिड घरों को सौर ऊर्जा अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा माध्यमों से रोशन करना था। इसके सुखद परिणाम आए और आज देश के हर घर में बिजली की पहुँच हो चुकी है। 28 अप्रैल, 2018 भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इसी दिन मणिपुर का लेइसांग गांव विद्युतीकृत होने वाला अंतिम गांव बन गया। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के ही 7 लाख 31 हजार से अधिक घरों में लोगों ने पहली बार बिजली के बल्ब से रोशनी देखी। 25 वर्ष पहले तत्कालीन परिभाषा अनुसार छत्तीसगढ़ में 19609 राजस्व गाँवों में से 17108 गाँव विद्युतीकृत थे जो वर्तमान में न केवल शत प्रतिशत विद्युतीकृत हैं अपितु शत–प्रतिशत घरों में बिजली की आपूर्ति हो रही है। आज प्रदेश के 18728 गाँव ग्रिड के माध्यम से तथा 881 गाँव ऑफ ग्रिड पद्धति से बिजली प्राप्त कर रहे हैं।

विकास का सूचक विदयुत खपत

देश में प्रति व्यक्ति औसत विदयुत खपत 1395 यूनिट जबकि छत्तीसगढ़ में 2211 यूनिट है। इस खपत के बड़े हिस्सेदार ग्रामीण और कृषि उपभोक्ता हैं। खपत का यह आँकड़ा महज दस्तावेजी नहीं । ग्रामीण विद्युतीकरण ने गाँवों के सामाजिक और आर्थिक विकास को व्यापक ढंग से प्रभावित किया है। आज यदि किसान दो से तीन फसल की पैदावार ले रहा है तो इसमें सवा आठ लाख कृषि सिंचाई पंपों का योगदान अहम है। खेती मानव श्रम पर अब भी आधारित है ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा हो रहे हैं वहीं आर्थिक सबलता से जीवन स्तर में काफी बदलाव आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की भांति अनेक व्यावसायिक गतिविधियों ने स्थान बनाया है जो अंततः विदयुत की निर्बाध आपूर्ति के कारण फल फूल रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि ग्रामीण विद्युतीकरण के मजबूत आधार पर आगे बढ़ते हुए ग्रामीण विकास की नई योजना जी राम जी अपने दूरगामी लक्ष्य को प्राप्त करने में निसंदेह सफल होगी।

> विकास की व्यापक कार्ययोजना को गति प्रदान करेगी विद्युत ऊर्जा जिसे मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में प्रमुखता प्रदान की थी। भारत जहाँ लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है वहाँ ग्राम और ग्रामीण की ऊर्जा संपन्नता ही विकसित भारत के लक्ष्य को परवान चढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ को इस मामले में बढ़त हासिल है। छत्तीसगढ़ सिर्फ सरप्लस बिजली वाला राज्य नहीं बल्कि यहाँ की बिजली लोगों की समृद्धि का बड़ा कारक है। गौर करने वाली बात यह भी है कि राज्य बनने के पहले तकनीकी रूप से प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका था पर उपभोक्ताओं की संख्या और वितरण गुणवत्ता के लिहाज से स्थिति बहुत निराशाजनक थी। बीते 25 वर्षों को इस लिहाज से अहम माना जा सकता है क्योंकि अब गाँव तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि जमीनी तौर पर विद्युतीकृत हैं।

भारत की सेहत, सांस क्या बेहतर होगी?

हरिशंकर व्यास

साल 2026 की उम्मीदों में दुनिया के दूसरे देशों में जैसा सोचा जा रहा है वैसे हमें न सोचना चाहिए, न लिखना चाहिए। आखिर हमारी अलग ही हस्ती है। सो, व्यर्थ है यह सवाल कि छब्बीस में भारत की सेहत, सांस क्या बेहतर होगी? इतना जरूर है कि मौजूदा मोदी राज जिन चार पायों पर टिका है वे और मजबूत होंगे। मतलब मोदी राज में– भीड़, ढोल, रेवड़ी तथा आंकड़ों में विकासमान उछाला गारंटीशुदा है। 2026 के अंत में भीड़ का आकार बढ़ा हुआ होगा। भीड़ को रेवड़ियों से नचाने के नए कार्यक्रम बने हुए होंगे। आंकड़े और हवा–हवाई बने मिलेंगे। कहावत जो है थोथा चना बाजे घना। मतलब दिसंबर 2026 में जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका सबको पछाडता भारत विश्वगुरूता के बाद अपने को ब्रह्माण्ड का नेता घोषित करे तो आश्चर्य नहीं होगा। अब यदि 2026 में इतना भौकाल हुआ तो स्वाभाविक जो नरेंद्र मोदी–अमित शाह के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड में कमी नहीं होगी। चुनाव जीतेंगे और देशा गाएगा– बहारों फूल बरसाओ, भारत विकसित हुआ है!

दूसरे देश 2026 के सिनेरियो, उम्मीदों में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, उड़ती हुई कारों से लेकर भू राजनीति अर्थात अमेरिका, चीन, वैश्विक व्यवस्था, जलवायु संकट, व्यापार–पूंजी, विज्ञान–तकनीक के बदलते आयामें में दिमाग खपाए हुए है वही भारत का नया साल घुसपैठियों, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से प्रारंभ है। तभी मेरा मानना है 2026 का पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा। बंगाल में विधानसभा चुनाव है और घुसपैठियों, हिंदुओं की हत्या का रोना धोना हिंदू–मुस्लिम राजनीति का रामबाण नुस्खा है तो उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव की भूमिका के लिए भी ढोल का यही सुर वर्ष 2026 की भारत पहचान बनेगा।

> भीड़ को रेवड़ियों से नचाने के नए कार्यक्रम बने हुए होंगे। आंकड़े और हवा–हवाई बने मिलेंगे। कहावत जो है थोथा चना बाजे घना। मतलब दिसंबर 2026 में जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका सबको पछाडता भारत विश्वगुरूता के बाद अपने को ब्रह्माण्ड का नेता घोषित करे तो आश्चर्य नहीं होगा। अब यदि 2026 में इतना भौकाल हुआ तो स्वाभाविक जो नरेंद्र मोदी–अमित शाह के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड में कमी नहीं होगी। चुनाव जीतेंगे और देशा गाएगा– बहारों फूल बरसाओ, भारत विकसित हुआ है! दूसरे देश 2026 के सिनेरियो, उम्मीदों में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, उड़ती हुई कारों से लेकर भू राजनीति अर्थात अमेरिका, चीन, वैश्विक व्यवस्था, जलवायु संकट, व्यापार–पूंजी, विज्ञान–तकनीक के बदलते आयामें में दिमाग खपाए हुए है वही भारत का नया साल घुसपैठियों, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से प्रारंभ है। तभी मेरा मानना है 2026 का पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा।

2026 में मोदी सरकार के बारह साल पूरे होंगे। गौर करें 2024 में लोकसभा के अल्पमत वाले नतीजों, मोदी सरकार के चंद्रबाबू के टेके के बाद से ढोल की गूंज कितनी और कैसे बढी है? भीड़ को वास्तविकताओं से ओझल रखने की राजनीति में पैसा बांटना, रेवड़ियों, आंकड़ों ने नई ऊंचाईयां पाई हैं। ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक मोड़ था। दुनिया ने जब पाकिस्तान का ढोल सुना तो उस नैरेटिव की छाया से अपनी भीड़ को बचाए रखने के लिए मोदी सरकार ने तरह–तरह से अपनी पीठ थपथपाई और बिहार भी जीत लिया!

यों मोदी सरकार अब वक्त गुजरते जाने, घटते जीवन की चिंता में बेचैन है। बारह साल होने को है भला आगे और कितने साल? तभी अमिट सत्ता की मैसेजिंग में महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार के चुनावों में न केवल सरकारी खजाना, पैसा लुटाया बल्कि चुनाव प्रक्रिया को भी संदिग्ध बना डाला। प्रदेशों के चुनाव से ही सरकार ऑक्सीजन पाए हुए है। और तय मानें 2026 में भी राज्यों के चुनावों में ताकत झोंकी जाएगी। बंगाल, असम. केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी के पांच राज्यों में असम, बंगाल में भाजपा घुसपैठियों, हिंदू बनाम मुस्लिम फॉर्मूले पर ही चुनाव लड़ेगी। यों भी बांग्लादेश में हिंदू विरोधी माहौल से असम–बंगाल दोनों जगह धुव्रीकरण बनना है।

तभी 2026 खतरनाक भी हो सकता है। पहले बांग्लादेश में चुनाव है। चुनाव में उनकी जीत होगी जो भारत विरोध की मशाल जलाए कट्टरपंथी है। सो, मुमकिन है कि घुसपैठियों के शोर के अनुपात में ढाका–इस्लामाबाद का गठजोड़ पके। सामरिक गठजोड़ बने। आतंकी घटनाएं हों। इसलिए अमेरिकी थिंकटैंक के इस आकलन में दम है कि 2026 में भारत–पाकिस्तान में फिर ठन सकती है। जनरल मुनीर की मनोदशा में अपने आपको प्रामाणिक तुरर्म खां साबित करने की ललक है। उन्हें भारत का अंदरूनी शोर चीन, रूस, अमेरिका, बांग्लादेश सबसे नए गठजोड़ से 2026 में अवसर मुहैया हो सकता है।

'चिरंजीवी हनुमान—द इटरनल की पहली झलक आई सामने

एआई तकनीक से बनाई गई फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान– द इटरनल की पहली झलक आज सामने आ गई। भगवान हनुमान जी के बारे में बताती यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। 'चिरंजीवी हनुमान– द इटरनलझ् को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली भारत की पहली एआई द्वारा निर्मित फिल्म बताया जा रहा है। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

1 मिनट 11 सेकंड के इस फर्स्ट ग्लिम्प्स वीडियो की शुरुआत में झरना और खूबसूरत वादियां दिखती हैं। इसके बाद पर्वतीय गुफाओं के पार पवन पुत्र हनुमान की छवि दिखती है। जंगलों के बीच से कैमरे की जबरदस्त मूवमेंट के बाद पवन पुत्र हनुमान को हवा में विचरण करते हुए दिखाया जाता है। हाथों में गदा लिए हनुमान जी को अभी सिर्फ पीछे से दिखाया गया है। उनका चेहरा अभी सामने नहीं आया है। बैकग्राउंड में हनुमान चालीसा की पंक्तियां भी सुनाई देती हैं। पहली झलक दिखाता ये वीडियो फिल्म को लेकर दर्शकों को उत्साहित जरूर करता है। 'चिरंजीवी हनुमान को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले निर्देशक राजेश मापुस्कर ने निर्देशित किया है। जबकि फिल्म का निर्माण आलोक जैन, अजीत अंधारे, विजय सुब्रमण्यम और विक्रम मल्होत्रा ने स्टार स्टूडियो 18 के सहयोग से किया है। निर्माताओं ने प्रामाणिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। मेकर्स ने यह प्रयास किया है कि भगवान हनुमान पर आधारित होने के नाते कहानी का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व बना रहा। फिल्म सच्चाई के निकट लगे।

जो रूट ने जड़ दिया एक और टेस्ट शतक, रिकी पोंटिंग की बराबरी पर पहुंचे

सिडनी ,इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज 2025–26 के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे इस मुकाबले के दूसरे दिन रूट ने शतकीय पारी खेलते हुए इंग्लैंड की पहली पारी को मजबूती प्रदान की।

जो रूट ने 15 चौकों की मदद से 242 गेंदों पर 160 रन बनाए। उन्होंने 146 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनके टेस्ट करियर का 41वां शतक रहा। इस पारी के साथ ही रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है, जिन्होंने अपने करियर में 41 टेस्ट शतक लगाए थे। इस सूची में अब रूट और पोंटिंग से आगे केवल जैक्स कैलिस (45 शतक) और सचिन तेंदुलकर (51 शतक) ही हैं। मौजूदा दौर के सक्रिय बल्लेबाजों में रूट सबसे आगे नजर आ रहे हैं। उनके बाद स्टीव स्मिथ (36 शतक) और केन विलियमसन (33 शतक) का नंबर आता है, जो रूट से काफी पीछे हैं।

नोवाक जोकोविच का पीटीपीए से इस्तीफा

नई दिल्ली , सर्बियाई के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह से दूरी बना ली है। इस संस्था की स्थापना उन्होंने ही की थी। जोकोविच का कहना है कि संगठन में पारदर्शिता और संचालन को लेकर लगातार समस्याएं थीं।

जोकोविच और कनाडाई टेनिस खिलाड़ी वासेक पोस्पिसिल ने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन (पीटीपीए) की स्थापना एक नॉन–प्रॉफिट कॉर्पोरेशन के तौर पर की थी। ये प्रोफेशनल टेनिस के भविष्य को आकार देने में खिलाड़ियों की एक एकजुट, स्वतंत्र आवाज को सुनिश्चित करने के लिए की गई थी।

जोकोविच ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, काफी सोच–विचार के बाद, मैंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह से अलग होने का फैसला किया है। यह फैसला पारदर्शिता, गवर्नेंस और जिस तरह से मेरी छवि को पेश किया गया है, उसे लेकर लगातार चिंताओं के बाद लिया गया है।

पोस्ट में लिखा था, मुझे उस विजन पर गर्व है जो मैंने और वासेक ने पीटीपीए की स्थापना करते समय साझा किया था, जिससे खिलाड़ियों को एक मजबूत, स्वतंत्र आवाज मिली झ लेकिन यह साफ हो गया है कि मेरे मूल्य और दृष्टिकोण अब संगठन की मौजूदा दिशा से मेल नहीं खाते हैं।

उन्होंने साफ किया कि अब वे अपने खेल, परिवार और टेनिस के विकास में अपने सिद्धांतों के अनुसार योगदान देने पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, मैं अपने टेनिस, अपने परिवार और खेल में ऐसे तरीकों से योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखूंगा जो मेरे सिद्धांतों और ईमानदारी को दर्शाते हैं।

द राजा साब का दूसरा ट्रेलर जारी

सुपरस्टार प्रभास की आगामी फिल्म द राजा साब लंबे समय से चर्चा में है। निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर और गाने पहले ही जारी कर दिए थे जिन्हें लोगों की मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली है। रिलीज से कुछ दिन पहले निर्माताओं ने नए साल का तोहफा देते हुए एक और ट्रेलर जारी कर दिया है जिसने आते ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। इस बार ट्रेलर के जरिए फिल्म की कहानी को काफी विस्तार से समझाने की कोशिश की गई है। द राजा साब ट्रेलर 2.0 की शुरुआत प्रभास के डायलॉग से होती है, जो कहते हैं कि उनकी दादी (जरीना वहाब) सबकुछ भूल जाती हैं, लेकिन उस शख्स (संजय दत्त) को नहीं भूलतीं। संजय फिल्म में काली शक्तियों वाले एक सम्मोहनकर्ता बने हैं। उनका सामना करने के लिए प्रभास चुनौती बनकर सामने आते हैं। इसी दौरान कई गहरे रहस्यों का खुलासा होता है। बोमन ईरानी का शानदार सरप्राइज है। मारुति द्वारा निर्देशित यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी।

इस छुट्टियों के सीज़न में प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में व्यस्त रहेंगी अभिनेत्री इशिता राज

अभिनेत्री इशिता राज के लिए यह छुट्टियों का सीज़न काफी व्यस्त रहने वाला है। उनके पास बैक–टू–बैक प्रोजेक्ट्स होने के चलते, इस दौरान उनके सेट्स पर ही रहने की उम्मीद है। कामकाजी छुट्टियों के सीज़न को लेकर इशिता कहती हैं, यह छुट्टियों का सीज़न मेरे लिए बेहद रोमांचक होने वाला है क्योंकि मैं अपने प्रोजेक्ट्स की शूटिंग कर रही होंगी। सेट पर ही जश्न मनाया जाएगा, जो मेरे लिए काफी उत्साहित करने वाला है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूँ कि इस छुट्टियों के सीज़न में मुझे काम करने का मौका मिल रहा है। एक कलाकार के रूप में मेरा लक्ष्य अपने दर्शकों तक सार्थक और अर्थपूर्ण काम पहुँचाना है। इशिता राज ह्यूमन कोकेन में एक डार्क और पहले कभी न देखे गए अवतार में दर्शकों को चौंकाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इससे पहले वह प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, वाइल्ड वाइल्ड पंजाब जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर बांग्लादेश का भारत आने से इन्कार

नई दिल्ली , बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 7 फरवरी से प्रस्तावित टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया है। इस संबंध में बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को पत्र लिखकर अपने सभी मैचों को भारत के बजाय श्रीलंका में आयोजित कराने की मांग की है।

बीसीबी के निदेशक खालिद मसूद पायलट ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि भारत एक खिलाड़ी की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, तो पूरी टीम की सुरक्षा पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इन्हीं परिस्थितियों के कारण बांग्लादेश की टीम भारत में खेलने नहीं जाएगी। आईपीएल विवाद से बढ़ा तनाव

इस फैसले की पृष्ठभूमि में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच हालिया विवाद को अहम माना जा रहा है। विवाद तब शुरू हुआ, जब बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (्यक्र) को बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया। केकेआर ने मुस्तफिजुर रहमान को हाल ही में हुई आईपीएल नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित हमलों के विरोध के बीच रहमान को टीम में शामिल किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई की ओर से यह कदम उठाया गया।

आईसीसी के फैसले पर टिकी नजर

बीसीबी का कहना है कि मौजूदा हालात में खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसी को ध्यान में रखते हुए भारत में खेलने से इंकार किया गया है। अब इस पूरे मामले पर आईसीसी के निर्णय का इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि यह फैसला टूर्नामेंट के आयोजन और कार्यक्रम पर असर डाल सकता है। खेल जगत में इस घटनाक्रम को क्रिकेट से आगे बढ़कर कूटनीतिक और सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा माना जा रहा है, जिसका असर आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर पड़ सकता है।

एक नजर

टंकण व आशुलिपि में प्रवेश के लिए अंतिम तिथि 31 जनवरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए टंकण व आशुलिपि में प्रवेश लेने के लिए अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी गई है। गोविंद नगर स्थित शिक्षण एवं मार्गदर्शन केंद्र के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि नए सत्र में अपेक्षित मात्रा में अभ्यर्थियों के प्रवेश न होने की स्थिति में प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई है। कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को छः माह का टंकण व एक वर्ष का आशुलिपि व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से प्रवेश पाने के लिए निर्धारित तिथि पर सुबह 11 बजे गोविंद नगर स्थित कार्यालय में पहुंचने को कहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली क्षेत्र के ढिकवालगांव में एक महिला (33) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका मिला। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सोमवार दोपहर ढिकवालगांव की बीना नेगी पत्नी प्रमोद सिंह का शव घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने देर शाम घटना की जानकारी पुलिस को दी। वरिष्ठ उप निरीक्षक जगमोहन रमोला ने बताया कि सूचना पर एसआई भावना भट्ट मौके पर पहुंचीं। महिला की करीब 11 वर्ष की बेटी है। उसने घर के अंदर पंखे से दुपट्टा के सहारे लटकर अपनी जान दे दी। हालांकि अभी मामले में किसी तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। (एजेंसी)

बीमा कंपनी मुआवजे के नाम पर लौटा रही प्रीमियम राशि

उत्तरकाशी। भारी नुकसान के बाद भी टमाटर की फसल का सही मुआवजा नहीं मिलने से काश्तकारों ने एसबीआई जनरल इंश्योरेंस बीमा कंपनी के खिलाफ नाराजगी जता कर प्रदेश सरकार से मुआवजे की मांग की है। काश्तकारों का कहना है कि खराब मौसम की वजह से उनकी टमाटर की फसल खराब हो गई थी लेकिन बीमा कंपनी ने काश्तकारों को सिर्फ वही धनराशि लौटाई है जो उन्होंने प्रीमियम के तौर पर बीमा कंपनी के खाते में जमा करवाई थी। उन्होंने कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोलकर सरकार से जांच की मांग की है। सरकार की ओर से राष्ट्रीयकृत बैंक और सहकारी समितियों से किसानों की ओर से लिए फसली ऋण पर बीमा अनिवार्य कर रखा है। इसी एवज में सहकारी समिति नौगांव, गढ़ और तीयां समिति से जुड़े 787 काश्तकारों ने मई 2025 में एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से टमाटर की फसल को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए 27 लाख 14 हजार चार सौ नौ रुपये का मौसम आधारित बीमा करवाया था। काश्तकार दीवान असवाल, प्रेम सिंह, अजब सिंह, अर्जुन सिंह का कहना है कि ओला और अतिवृष्टि से उनकी टमाटर की फसल खराब हो गई थी जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है लेकिन कंपनी की ओर से फसल को किसी भी तरह की क्षति नहीं दिखाकर काश्तकारों को सिर्फ प्रीमियम की धनराशि लौटाई गई है। बहुद्देशीय सहकारी समिति के अध्यक्ष विशालमणि डिमरी ने बताया कि काश्तकारों के साथ छलावा किया है। क्षेत्र के सैकड़ों काश्तकार मिलकर जल्द मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर बीमा कंपनी के खिलाफ आंदोलन की रणनीति बनाएंगे।

चीन सीमा पर काम करने वाले कामगारों व साधुओं को भेंट किया सामान

उत्तरकाशी। काशी विश्वनाथ सेवा मंडल की ओर से भारत–चीन तिब्बत सीमा की अग्रिम चौकियों में सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान सेवा मंडल के कार्यकर्ताओं ने चौकियों में रहने वाले कामगारों व उनके बच्चों को जरूरी वस्तुओं का वितरण किया गया। साथ ही गंगोत्री में रहे साधु संतों की सेवा के लिए भी वस्तुएं दान की। हर वर्ष की भांति इस बार भी शीतकाल में भारत तिब्बत सीमा पर स्थित अग्रिम चौकियों में कामगारों और उनके बच्चों के अलावा गंगोत्री में साधु संतों की सेवा के लिए अभियान संपन्न हुआ। सेवा मंडल की टीम ने सीमा की चौकियों पर रहने वाले बीआरओ के स्थानीय, नेपाली व अन्य प्रदेशों के कामगारों को नेलांग घाटी में वस्तुएं भेंट की। काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत अजय पुरी ने बताया कि यह जिले के सीमावर्ती इलाकों नेलांग घाटी, गंगोत्री जैसी जगहों में काम करने वाले मजदूरों और साधु–संतों की सेवा करने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर उत्तरकाशी द्वारा संचालित एक सेवा केंद्र या अभियान है।

अतिक्रमण पर निगम की सख्ती, काटे चालान

कोटद्वार में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाती नगर निगम की टीम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में अतिक्रमण की समस्या लगातार नासूर बनती जा रही है। अतिक्रमण के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में नगर निगम की ओर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। जगह-जगह बेतरतीब तरीके से खड़ी रेहड़ी-ठेलियों को जब्त करते हुए अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई। अभियान के दौरानअतिक्रमणकारियों के चालान भी काटे गए। बाजार में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां अतिक्रमण न दिखाई दें। अतिक्रमण से संकरी हो चुकी सड़कों पर हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पिछले कई माह से स्थानीय जनता लगातार अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठा रही है। ऐसे में हरकत में आए नगर निगम ने बदरीनाथ मार्ग, गोखले मार्ग, नजीबाबाद रोड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। निगम की टीम को देखते ही रेहड़ी-ठेली व फड़ वालों में अफरा-तफरी मच गई। वह रेहड़ी-ठेली लेकर गलियों में भागने लगे। नगर निगम ने सड़क पर सफेद पट्टी के बाहर खड़ी रेहड़ी ठेलियों को ट्रैक्टर में लादकर जब्त किया। इस दौरान सड़क पर रखा व्यापारियों के सामान को भी टीम नगर निगम लेकर पहुंची। सफाई निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर नगर निगम गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसके लिए बकायदा निगम की टीम भी गठित की गई है। बताया कि अभियान के दौरान व्यापारियों व रेहड़ी-ठेली वालों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

जन–जन तक योग के संदेश को पहुंचाने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत भारत स्वाभिमान न्यास के 32वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश समाज और राष्ट्र के प्रति योग आयुर्वेद व स्वदेशी को अपनाने व इसका प्रचार-प्रसार करने का संकल्प लिया गया। उमेश नगर स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रभारी दिनेश जुयाल ने किया। वेद मंत्रों के साथ हवन यज्ञ किया गया, जिसमें भारत स्वाभिमान के सदस्यों ने आहुतियां देकर सभी लोगों के स्वस्थ रहने की कामना की। कहा कि योग व आयुर्वेद के प्रयोग से मनुष्य निरोग रह सकता है। कहा कि लोगों को विदेशी वस्तुओं की बजाय स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इस मौके पर जितेंद्र, विजय भाटिया, रविंद्र नेगी, चंद्रकिशोर असवाल, रूप सिंह, महेश आंनद, सुनैना देवी, पिंकी पोखरियाल मौजूद रहे।

गुलदार की धमक, घरों में कैद हुए ग्रामीण

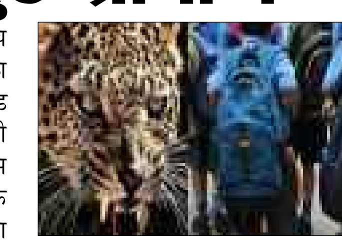

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। हालत यह है कि प्रखंड नैनीडांडा में ग्रामीण गुलदार की दहशत में जी रहे हैं। आए दिन गुलदार गांव के आसपास घूमता हुआ नजर आ रहा है। पिछले एक सप्ताह में गुलदार कई मवेशियों को अपना निवाला भी बना चुका है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने सोमवार को उपजिलाधिकारी श्रेष्ठ गुनसोला के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रधान संघ नैनीडांडा के अध्यक्ष मनोज मधवाल ने बताया कि क्षेत्र में गुलदार की धमक लगातार बढ़ती जा रही है। इसके कारण ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। सबसे अधिक चिंता बच्चों व बुजुर्गों की बनी हुई है। ग्राम ख्योनाई में गुलदार अब तक नौ बकरियों को अपना निवाला बना चुका है। बराथ में भी कुछ दिन पहले गुलदार ने एक गाय व जोगिड़ा में भी बकरियों को निवाला बना दिया था। ग्राम खुटीडा में भी गुलदार लगातार मवेशियों को अपना निवाला बना रहा है। बताया कि क्षेत्र में एक अज्ञात जानवर भी गौशाला को तोड़कर गाय व बछिया को अपना निवाला बना रहा है। साथ ही क्षेत्र में भालू की दहशत भी बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पूर्व जानवर ने ग्राम बडोलगांव में एक गौशाला की छत को तोड़ दिया था। वन क्षेत्राधिकारी दीवा रेंज सुभाष चंद्र घिल्डियाल ने ग्रामीणों को जंगली जानवरों से सचेत रहने की अपील की। जानवरों से निजात के लिए क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे। इस मौके पर ग्राम प्रधान संजना देवी, चमन सिंह बिष्ट, भारती देवी, अंजू देवी, महिपाल सिंह, सूरज सिंह आदि मौजूद रहे।

आजादी के दशकों बाद भी शिक्षा के लिए संघर्ष

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक का हाईस्कूल निवाल गांव वर्षों से उच्चीकरण की राह ताक रहा है। निवाल गांव के आसपास इंटर कॉलेज नहीं होने के कारण छात्रों को 11वीं में प्रवेश लेने के लिए सात किमी दूर थाती बूढ़ाकेदार इंटर कॉलेज का रुख करना पड़ता है। 2015 से अभिभावक हाईस्कूल का उच्चीकरण करने की मांग कर रहे हैं। शिक्षा विभाग की ओर से उच्चीकरण का प्रस्ताव तैयार कर दो बार शासन को भेजा गया था जो शासनस्तर पर धूल फांक रहा है। स्थानीय लोगों की मांग पर 2006 में निवालगांव में हाईस्कूल की स्थापना की गई थी। वर्तमान सत्र में 9वीं और 10वीं में 95 छात्र–छात्राएं हैं। निवाल गांव, मेड, मरवाड़ी, आगर गांव के बच्चे शिक्षा लेने यहां पहुंचते हैं। गांवों के आसपास इंटर कॉलेज नहीं होने के कारण छात्रों को 11वीं में प्रवेश लेने के लिए सात किमी दूर थाती बूढ़ाकेदार इंटर कॉलेज का रुख करना पड़ता है। निवाल गांव क्षेत्र से इंटर कॉलेज थाती बूढ़ाकेदार की दूरी अधिक होने के कारण अभिभावक लंबे से हाईस्कूल का इंटरस्तर पर उच्चीकरण की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन शासनस्तर पर मामले में अभी तक कोई सार्थक पहल नहीं होने से अभिभावकों में रोष है। निवाल गांव के पूर्व प्रधान अखिलेश, धर्म सिंह रावत, राम प्रसाद पैन्यूली, सूरत सिंह पंवार कहना है कि क्षेत्र में इंटर कॉलेज नहीं होने हर अभिभावक छात्राओं को इंटर की पढ़ाई के लिए सात किमी थाती बूढ़ाकेदार नहीं भेज पाते हैं, जिससे कई छात्राएं आगे की पढ़ाई करने से वंचित रह जाती है।

वीर शहीदों के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार में 11वीं गढ़वाल राइफल्स का स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान गौरव सेनानियों ने वीर शहीदों के योगदान को याद करते हुए सदैव देश हित में कार्य करने का संकल्प लिया। शिब्बूनगर में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस पर 11वीं गढ़वाल राइफल्स के वीरता व शौर्य गाथा को याद किया गया। गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंट के मेजर साजिद मंजूर, संस्था के अध्यक्ष जगमोहन सिंह गुसांई व राम सिंह ने बलिदानी सैनिकों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मेजर साजिद मंजूर ने बटालियन के वीरता व शौर्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि बटालियन ने युद्ध भूमि में अपनी वीरता व शौर्य का प्रदर्शन किया। कहा कि देश बलिदानी सैनिकों को हमेशा याद करता रहेगा। इस मौके पर गौरव सैनानियों के स्वजनों ने विभिन्न लोग गीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी।

आत्मा व परमात्मा का मिलन है शिव की कथा: आचार्य लखेड़ा

कोटद्वार के चिल्लरखाल में धरना स्थल पर कथा श्रवण करने पहुंचे श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शिव महापुराण आत्मा व परमात्मा के मिलन की कथा है। भगवान शिव अपने भक्तों के समस्त कष्टों को दूर कर देते हैं। शिव नाम का स्मरण करने मात्र से ही मनुष्य के समस्त कष्ट दूर हो जाते है।

चिल्लरखाल में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर चल रहे शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने यह बात कही। कहा कि जहां-जहां भी शिव की कथा होती है वहां स्वयं शिव अपने नंदी और गणों के साथ कथा श्रवण को पहुंचते हैं। कथा की सार्थकता दैनिक जीवन में आत्मसात करने से होती है। भगवान का स्मरण करते हुए अपने जीवन को आनंदमय बनाकर कल्याण की कामना करनी चाहिए। अन्यथा कथा केवल कानों के मनोरंजन के रूप में ही रह जाती है। कहा कि शिव मात्र नाम स्मरण करने से ही अपने भक्तों के समस्त कष्ट हर लेते हैं। शिव पार्वती विवाह के दौरान कीर्तन मंडलियों की ओर से भी मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। कथा का समापन नौ जनवरी को विशाल भंडारे के साथ होगा। इस दौरान प्रवीन थापा, राजाराम अण्थ्वाल ने कहा कि जनता पिछले कई दिनों से लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। ऐसे में अब उनका शासन-प्रशासन से भरोसा उठ चुका है। अब वह भगवान से ही सरकारी सिस्टम को जनता की सेवा का आशीर्वाद देने की कामना कर रह हैं। इस मौके पर दिनेश चंद्र गौड, अमित अमोली, देवीदत्त, गणेश रावत, राजेंद्र काला, गोवर्धन काला, रविंद्र सौंद, मोहन सिंह, मदन नेगी, देवेंद्र रावत, रमेश ममगाई, जगत सिंह, कृपाल सिंह, पीताम्बर कपियाल, इंदु नौटियाल, जगदीश अमोली, सुमन गौड, अंजुला अमोली, चंपा नेगी, विमला नेगी, रेखा अधिकारी, पुष्पा मेहरा, बिनीता देवी, गीता काला, दीपा अधिकारी आदि मौजूद रहे।

विधिक जागरुकता एवं नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रभावी क्रियान्वयन पर मंथन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी :माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल तथा माननीय जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल की सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव नाजशि कलीम द्वारा पैनल अधिवक्ताओं के साथ मासिक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में माह जनवरी 2026 के प्लान ऑफ एक्शन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। सचिव द्वारा पैनल अधिवक्ताओं को विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनसामान्य में विधिक जागरूकता बढ़ाने तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान न्यायालयों में विधिक सहायता से संबंधित प्रकरणों की पैरवी की प्रगति की समीक्षा की गयी तथा पैनल अधिवक्ताओं को निर्देशित किया गया कि विधिक सहायता प्राप्त अभियुक्तों एवं वादकारियों के मामलों में समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण पैरवी सुनिश्चित की जाय। साथ ही जेल विजिट कार्यक्रम पर भी चर्चा की गयी, जिसमें बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी देने, उनकी समस्याओं के समाधान हेतु परामर्श प्रदान करने तथा आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त विधिक जागरुकता शिविरों के आयोजन, लीगल एड क्लीनिकों की सक्रियता, परामर्श सेवाओं की सुलभता एवं जनहित से जुड़े विषयों जैसे महिला एवं बाल अधिकार, वरिष्ठ नागरिक कल्याण, नशा मुक्ति, घरेलू हिंसा की रोकथाम आदि पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित सभी पैनल अधिवक्ताओं ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा विधिक सेवा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ एनएसएस शिविर का समापन

नई टिहरी(। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज उनियालसारी चंबा का सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर छात्र–छात्राओं के रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ संपन्न हो गया। शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शोभनी धनोला ने कहा कि स्वयं सेवियों को सेवा भाव से कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी सुरजीत सिंह पुंडीर ने बताया कि सात दिनों तक पुरूषोल गांव में स्वयं सेवियों ने गांव के संपर्क मार्ग, पंचायत भवन सहित सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान चलाया। शिविर में उत्कृष्ट कार्य के लिए आरती रौथाण, शिवानी पंवार, श्रुति राणा व आयुष ममगाई को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अस्पताल में संसाधन भरपूर, फिर भी मरीज मजबूर

नई टिहरी। टिहरी जिले के दूरस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थत्यूड़, कंडीसौड़ और मदननेगी में दंत रोग चिकित्सक की तैनाती नहीं होने से क्षेत्रवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त तीनों अस्पतालों में डेंटल चेयर, दांतों के उपचार के उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टर नहीं होने के कारण दंत उपचार की सुविधा कागजों तक सिमट कर रह गई है। जिले के 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में दंत रोग चिकित्सक के एक–एक पद स्वीकृत है। 14 दंत रोग चिकित्सकों के पदों के सापेक्ष वर्तमान में कहने को 13 डॉक्टर कार्यरत हैं लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडीसौड़ और थत्यूड़ में कार्यरत डॉक्टर पीजी की पढ़ाई करने जिले से बाहर गए हुए हैं। मदननेगी अस्पताल में पद रिक्त चल रहा है। उक्त तीनों सरकारी अस्पतालों में लोगों को दांत संबंधी समस्या का इलाज नहीं मिलने के कारण मरीजों को मजबूरी में निजी चिकित्सालयों का रुख करना पड़ रहा है।

गीता के संदेश का दीप लेकर साइकिल यात्रा पर निकला सनातन परिषद

साइकिल यात्रा पर निकले सनातन महापरिषद के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर श्रीमद्भगवतगीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला ग्रंथ है। आज के तनावपूर्ण और भौतिकवादी युग में गीता का संदेश मानव जीवन के लिए अमृत के समान है। कुछ इसी भाव के साथ सनातन महापरिषद की ओर से उत्तर प्रदेश व देवभूमि उत्तराखंड में गीता का संदेश साइकिल के संग यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा का उद्देश्य लोगों को अपनी सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक करना है। लखनऊ से निकाली गई साइकिल यात्रा मंगलवार को उत्तराखंड के काठगोदाम से होते हुए पर्वतीय क्षेत्र के अन्य इलाकों के लिए रवाना हुई। रैली के दौरान महापरिषद के लोग गांव-गांव में पहुचंकर लोगों को गीता का संदेश दे रहे हैं। यात्रा का नेतृत्व कर रहे सनातन महापरिषद भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीपी पांडेय ने कहा कि रविवार को यात्रा लखनऊ से शुरु की गई। यात्रा का उद्देश्य न केवल गीता के विचारों का प्रचार करना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और अनुशासित जीवन शैली के प्रति जागरूक करना भी है। यात्रा शुरुआत के दौरान मेदांता हास्पिटल लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर डा. राकेश कपूर, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के निर्देशक डा. आनंद किशोर पांडेय व आर्मी कैंटोनमेंट बोर्ड लखनऊ के सदस्य प्रमोद शर्मा प्रमुख रूप से शामिल थे। अतिथियों ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। सीपी पांडेय ने बताया कि यह साइकिल यात्रा लखनऊ से शुरु होकर उत्तराखंड के विभिन्न जिले से गुजरते हुए 11 जनवरी को राजभवन पहुंचेगी। प्रतिभागी राज्यपाल आनंदीबेन पटले के समक्ष अपने अनुभव को साझा करेंगे। इसके बाद 27 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस अभियान का विधिवत समापन किया जाएगा। यात्रा में सुजाता पाल, पवित्रा, सत्यम पांडेय, गौरव, ओमकार, शैल भूषण आदि मौजूद है।

गांव के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा वीबी-जी राम जी अधिनियम : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मीडिया सेंटर, सचिवालय में मीडिया से वार्ता करते हुए विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह नया अधिनियम केवल मनरेगा का नाम बदलना नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार नीति की संरचनात्मक पुनर्रचना है। जिससे कि ग्रामीण क्षेत्र एवं इकाइयां मजबूत हो सकेंगी। उन्होंने इसे गांव को विकसित बनाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम किसानों को सुरक्षा, श्रमिकों को रोजगार, महिलाओं को सम्मान, गांवों का विकास और विकसित गांव के माध्यम से विकसित भारत के लिए मजबूत नींव बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी, विकास आधारित गारंटी प्रदान के साथ अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिन के रोजगार का अधिकार प्रदान करेगा। जो पहले से 25 प्रतिशत अधिक होगा। इसके तहत 15 दिन में काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता अनिवार्य रूप से दिए जाने की व्यवस्था बनाई गई है, साथ ही इसके लिए अधिकारी की जिम्मेदारी भी तय की गई है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था के तहत दिए जाने भुगतान साप्ताहिक होगा और विलंब होने पर मुआवजे का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत होने वाले कार्यों में तकनीक आधारित पारदर्शिता रखी गई है। इसमें बायोमेट्रिक हाजिरी, जियो-टैगिंग और मैपिंग, मोबाइल ऐप और सार्वजनिक डैशबोर्ड, अक आधारित फ्रॉड डिटेक्शन, साल में दो बार अनिवार्य सोशल ऑडिट जैसे विभिन्न तकनीकों के प्रयोग का प्रावधान किया गया है। इन सभी तकनीकों का प्रयोग इस योजना को भ्रष्टाचार-मुक्त रोजगार गारंटी योजना बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी में किसान हितों की स्पष्ट रूप से सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। खेती के बुवाई और कटाई के मौसम में अधिकतम 60 दिन तक योजना के काम कानूनी रूप से रोके जा सकेंगे। जिससे किसानों को मजदूरों की कमी नहीं होगी एवं खेती की लागत भी नहीं बढ़ेगी साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था संतुलित रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत ग्राम पंचायत और ग्राम सभा को असली ताकत प्रदान की गई है। उन्होंने कहा इस योजना में काम थोपे नहीं जाएंगे बल्कि विकास कार्यों का चिन्हीकरण ग्राम सभा द्वारा ही तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कम से कम 50 प्रतिशत कार्य सीधे ग्राम पंचायतों के स्तर पर कराए जा सकेंगे। इसके तहत जॉब कार्ड, पंजीकरण, योजना निर्माण जैसे कार्य ग्राम सभा के स्थानीय स्तर पर तय होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत काम की गुणवत्ता और उपयोगिता का विशेष प्रावधान रखा गया है। इसके तहत अब जल संरक्षण, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका परिसंपत्तियां, आपदा प्रबंधन के अंतर्गत आने वाले कामों को किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा वीबी-जी राम जी के तहत महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया गया है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी बहनों के लिए स्किल सेंटर, शेड निर्माण, ग्रामीण हाट आदि बनाए जाएंगे जिससे महिलाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के अंतर्गत प्रशासनिक ढांचे को मजबूती प्रदान की गई है।

सूचना

मैं हेमन्त गौड़ पुत्र मदन मोहन गौड़ निवासी कालाबड़ (सुखरौ), कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल द्वारा ग्राम शिवपुर (सुखरौ), कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल के खाता संख्या 61 के खेत संख्या-3 ग मध्ये 189.59 वर्गमीटर याने 0.019 हैक्टेयर भूमि ममता देवी पत्नी डबल सिंह से दिनांक 25.06.2025 को क्रय की गयी है। विक्रेता ममता देवी पत्नी डबल सिंह द्वारा उक्त भूमि सुलोचना देवी पत्नी कीर्तिबल्लभ से दिनांक 09.11.2021 को क्रय की गयी थी। श्रीमती सुलोचना देवी पत्नी कीर्ति बल्लभ द्वारा उक्त भूमि जयकृत सिंह चौहान पुत्र मेहरबान सिंह चौहान से क्रय की थी, जो सब रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार के बही संख्या-1, जिल्द संख्या-457, पृष्ठ संख्या-229 से 236 पर क्रमांक 1343 दिनांक 18.04.2013 को पंजीकृत है। उक्त भूमि का मूल बयनामा कही गुम हो गया है, जो प्रार्थी द्वारा काफी खोजबीन करने के पश्चात उक्त मूल बयनामा रजिस्ट्री संख्या 1343/2013 मिल नहीं पा रही है। उक्त मूल विक्रय पत्र किसी भी बैंक, सोसाइटी एवं वित्तीय संस्थान में बंधक नहीं है। प्रार्थी की उपरोक्त गुम हुए रजिस्ट्री संख्या-1343/2013 की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना कोटद्वार में दर्ज है।

हेमन्त गौड़ पुत्र मदन मोहन गौड़ निवासी कालाबड़ (सुखरौ), कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

हर फरियादी की समस्या का करें निराकरण: एसएसपी

कोटद्वार कोतवाली का निरीक्षण करते एसएसपी सर्वेश पंवार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने कहा कोतवाली में आने वाले हर फरियादी को न्याय मिले यह पुलिस की प्रथम प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस कर्मियों व अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करना होगा। कार्य में लापरवाही दिखाने वाले पुलिस कर्मियों व अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कोटद्वार कोतवाली का निरीक्षण किया। उन्होंने कोतवाली में रखे दस्तावेजों के साथ ही प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने सीसीटीएनएस पोर्टल व सीएम हेल्पलाइन व अन्य आनलाइन सेवाओं में की गई प्रविष्टियों का बारीकी से निरीक्षण किया। कहा कि समय-समय पर शिकायतकर्ताओं से भी फीडबैक लेते रहे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी लंबित शिकायतों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। कहा कि अनावश्यक सामान को थाने में जमा न करें। जिस प्रकरण का न्यायालय से निस्तारण हो चुका है उस माल व वाहनों का शीघ्र निस्तारण करें। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए प्रत्येक महिला की शिकायत को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। कहा कि शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर रजिस्टर में अवश्य अंकित करें। एसएसपी ने कर्मचारी बैरक का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि कोतवाली में कहीं भी गंदगी न डाले। कूड़ें को कूड़ेदान में ही डाले। पुलिस अधिकारी समय-समय पर जनता से संवाद स्थापित करते रहें।

पहाड़ों से हो रहा पलायन चिंता का विषय

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पहाड़ों से लगातार हो रहे पलायन पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने चिंता व्यक्त की है। कहा कि पहाड़ को बचाने के लिए गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। जब हमारे पहाड़ आबाद रहेंगे तभी हमारी संस्कृति व सभ्यता भी जीवित रहेगी।

पूर्व सैनिकों की मसिक बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रांतीय सचिव सीपी डोबरियाल ने जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय बैठक में लिए गए निर्णयों को लेकर विस्तार से बताया। बैठक में विनोद ध्यानी, हरीश खुगशाल ने संगठन को मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया। कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदस्यों को संख्या को बढ़ाना होगा। इस मौके पर हसवंत सिंह बिष्ट, रवींद्र सिंह, कुलदीन सिंह रावत, सीपी धूलिया, दीपक सिंह रावत मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से [illegible] मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	281-DRM-MB-25-26 Date 05.01.2026
कार्य का नाम	Miscellaneous works in connection with Track Maintenance in the section of SSE/P-Way/ BLM under ADEN/II/HRI
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक समय	30.01.2026 18.00
अनुमानित लागत	₹ 69,09,073.43
धरोहर राशि	₹ 1,40,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	16.01.2026
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 05.01.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 0648/2025

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा, रिहाई की मांग की

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने योगेश डिमरी, सुदेश भट्ट व अन्य लोगों की रिहाई की मांग के लिए मुख्यमंत्री को उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि ये गिरफ्तारी राजनीतिक दबाव में हुई है। समाजसेवी योगेश डिमरी जो अवैध गतिविधियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें जेल में रखना गलत है। सरकार तत्काल इनकी रिहाई करके वास्तविक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें। पार्टी ने इस मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की भी मांग की और चेतावनी दी कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने में सैनिक प्रकोष्ठ के भगवती प्रसाद नौटियाल, जिला महामंत्री हेमा कोटनाला, रजनी कुकरेती सहित पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्यूनी को आधुनिक लाइब्रेरी की सौगात, 12 लाख की दी स्वीकृति

देहरादून। डीएम ने त्यूनी में सार्वजनिक पुस्तकालय की मरम्मत एवं फर्नीचर व्यवस्था के लिए 12.20 लाख स्वीकृत किए हैं। 7.20 लाख की प्रथम किस्त जारी की है। जिलाधिकारी के त्यूनी भ्रमण कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं एवं संकल्प जनजातीय उत्थान फाउंडेशन समिति ने पुस्तकालय बनाने का अनुरोध किया था। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड देहरादून के माध्यम से त्यूनी में सार्वजनिक पुस्तकालय की मरम्मत एवं फर्नीचर व्यवस्था के लिए 12.20 लाख का प्राक्कलन के अनुसार धनराशि स्वीकृत करते हुए प्रथम किस्त जारी कर दी है। प्राक्कलन तैयार कर मुख्य शिक्षा अधिकारी, मयूर विहार को प्रस्तुत किया गया था।

बाजार में सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू

उत्तरकाशी। नरेंद्रनगर बाजार में सीवज लाइन बिछाने का कार्य शुरू हो गया है। प्रशासन ने सीवर लाइन कार्य के मध्य नगर क्षेत्र में स्थानीय वाहनों को छोड़कर यातायात को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया है। नरेंद्रनगर बाजार क्षेत्र में मुख्य सड़क से होकर लगभग डेढ़ किलोमीटर सीवज लाइन बिछाने का कार्य किया जाना है। उप जिलाधिकारी आशीष घिल्डियाल ने बताया कि सीवज लाइन बिछाने से नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था और बेहतर होगी। बताया प्रथम चरण में उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण विभाग को 24 जनवरी तक सीवज लाइन बिछाने की अनुमति दी गई है, इसके लिए वाहनों की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। टिहरी से देहरादून, हरिद्वार जाने वाले वाहनों को गुजराडा सड़क से होकर कुशरेला बैरियर होते हुए देहरादून या फिर चाचा भतीजा तिराहे से आनंदा बाईपास होते देहरादून और हरिद्वार भेजा जा रहा है। ऋषिकेश से चंबा, टिहरी, उत्तरकाशी जाने वाले वाहनों को प्लास्डा बाईपास से आवाजाही की जा रही है। इधर पूर्व पालिकाध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार, पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र राणा, राजेंद्र गुसाईं, सेवा निवृत कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष धर्म सिंह चौहान ने कहा कि सीवर लाइन के लिए खोदाई किए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों से नरेंद्रनगर तहसील, अस्पताल तथा अन्य कार्यालयों में जरूरी कार्यों के लिए आने वाले लोगों और बुजुर्गों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में वाहनों की इंट्री न होने से लोगों को करीब तीन किलोमीटर पैदल दूरी तय करनी पड़ रही है। उन्होंने प्रशासन से चाचा भतीजा तिराहे, आनंदा और प्लास्डा बाईपास से नरेंद्रनगर बाजार तक छोटे वाहन संचालित करने की मांग उठाई है।

चीन युद्ध में खाली हुआ जादूंग गांव फिर से होगा आबाद

उत्तरकाशी। जिले के सीमावर्ती जादूंग गांव अब पर्यटन के लिए आबाद होगा। प्रदेश सरकार अब इस गांव के 23 परिवारों को पहाड़ी शैली में घर बनाकर देगी। पहले चरण में गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) ने छह घर बनाने का काम शुरू कर दिया है। नेलांग घाटी के पास जादूंग एक ऐतिहासिक सीमावर्ती गांव है। 1962 के भारत–चीन युद्ध के बाद इस गांव को खाली करा लिया गया था। अब इस गांव को केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत पुनर्जीवित किया जा रहा है। गांव में अवस्थापना विकास व अन्य सुविधाएं बढ़ाने की योजना बनाई गई है। पर्यटन विभाग की ओर से जादूंग गांव को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए 23 परिवारों के लिए घर बनाने की पहल की है जो परिवार गांव छोड़कर दूसरे स्थानों में बसे हैं। मूल निवासियों को वापस बसाने से स्थानीय संस्कृति व अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 22वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने मानव–वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके नियंत्रण के लिए और अधिक प्रभावी कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भालू, गुलदार, बाघ तथा हाथी से संबंधित घटनाओं पर सतर्कता बढ़ाई जाए और वन विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग, डिजिटल निगरानी और अर्ली वार्निंग सिस्टम को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित ग्रामों में सोलर फेंसिंग, बायो-फेंसिंग, हनी बी फेंसिंग, वॉच टावर एवं अन्य सुरक्षात्मक उपाय अनिवार्य रूप से

स्थापित किए जाएं। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्कता और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता शिविरों के आयोजन और रैपिड रिस्पॉन्स टीम को निरंतर सक्रिय रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हाथी एवं बाघ कॉरिडोर सहित सभी वन्यजीव कॉरिडोरों के संरक्षण को शीर्ष प्राथमिकता दी जाए। वन्यजीवों के आवागमन वाले मार्गों पर एनिमल पास, अंडरपास और ओवरपास निर्माण की व्यवस्था को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि वर्तमान वन्यजीव संरक्षण नियमों या प्राविधानों में संशोधन की आवश्यकता हो, तो संबंधित विभाग आवश्यक परीक्षण कर संशोधन प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजें। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वन्यजीव समन्वय समिति को सक्रिय बनाए रखने के साथ ही संवेदनशील गांवों, ब्लॉकों एवं ग्रामों की हॉट स्पॉट मैपिंग तत्काल पूरी की जाए। उन्होंने स्कूलों, आंगनबाड़ियों, जलस्रोतों और पैदल मार्गों के आसपास सुरक्षा प्रबंध मजबूत करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन को सख्ती से लागू किया जाए, ताकि भालू और अन्य वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आकर्षित न हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईको-टूरिज्म व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए रिजर्व फॉरेस्ट के अलावा प्रदेश की वाइल्डलाइफ सेंचुरी एवं कंजर्वेशन रिजर्व क्षेत्रों में भी कार्य किये जाएं। मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने तथा जन सुरक्षा की दृष्टि से टेरिटोरियल फॉरेस्ट डिविजन में पशु चिकित्सकों की व्यवस्था भी की जाए। बैठक में वन मंत्री सुबोध उनियाल, राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य विधायक दीवान सिंह बिष्ट, सुरेश सिंह चौहान, बंशीधर भगत, प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्र, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ अन्य सदस्यगण एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में 9 प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की

बैठक में वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित कुल 9 प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की गई। इनमें जनपद रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य की 4 विभिन्न पेयजल योजनाएं और 2 पेयजल योजनाएं, राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र से जुड़ी 2 मोटरमार्ग योजनाएं तथा रामनगर वन प्रभाग से संबंधित एक ऑप्टिकल फाइबर प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा संरक्षित क्षेत्रों की 10 किलोमीटर परिधि में उपखनिज चुगान से जुड़े 22 प्रस्तावों को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के विचारार्थ संदर्भित किए जाने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री के बयान में संवेदना नहीं, जिम्मेदारी से बचने की कोशिशः गोदियाल

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बयान को गैर–जिम्मेदाराना करार देते हुए सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गोदियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के शब्दों में न्याय की तड़प नहीं, बल्कि जवाबदेही से बचने का प्रयास नजर आता है। मीडिया को जारी बयान में गोदियाल ने उर्मिला सनावर के हालिया खुलासों का जिक्र करते हुए कहा कि इतने सनसनीखेज दावों के 20 दिन बाद मुख्यमंत्री का बोलना यह दर्शाता है कि राज्य की जनता और उत्तराखंड की बेटी को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि जो सरकार आज जांच के लिए तैयार होने की बात कह रही है, वह पिछले तीन वर्षों से सीबीआई जांच से क्यों भागती रही। मुख्यमंत्री के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा कि अंकिता के माता–पिता जो आदेश करेंगे, सरकार वही करेगी, गोदियाल ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह बयान संविधान और कानून का अपमान है। जांच माता–पिता के आदेश से नहीं, बल्कि कानून की प्रक्रियाओं से चलती है। मुख्यमंत्री का काम निर्णय लेना है, अपनी जिम्मेदारी अंकिता के पीड़ित माता–पिता पर डालना नहीं। गोदियाल ने दावा किया कि उनकी अंकिता भंडारी को न्याय दो पदयात्रा और जनता के बढ़ते आक्रोश के कारण सरकार अब दबाव में है। उन्होंने आरोप लगाया कि साक्ष्य मिटाने के लिए रिजॉर्ट तोड़ा गया और पुलिस कस्टडी में दो बार आग लगी, लेकिन सरकार अब तक दोषियों और उस वीआईपी को बचाने में जुटी है।

सब्जी लेने गए युवक की बाइक चोरी, दो माह बाद केस दर्ज

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में बालाजी मंदिर के पास से दो महीने पहले चोरी हुई बाइक का मुकदमा पुलिस ने अब दर्ज किया है। मूल रूप से बरेली और हाल ठाकुरपुर निवासी महावीर ने शिकायत दी है कि बीती 11 नवंबर की शाम वह सब्जी लेने गए थे। उन्होंने अपनी बाइक मंदिर के पास खड़ी की थी। वापस लौटने पर बाइक गायब मिली। गाड़ी के कागज भी डिग्गी में थे। एसओ प्रेमनगर कुंदन राम ने शिकायत पर सोमवार केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

सुद्धोवाला में दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी चोरीः प्रेमनगर के सुद्धोवाला में मोबाइल की दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी हो गई। जामुनवाला निवासी सौरभ कोहली ने पुलिस को बताया कि बीते 27 दिसंबर को वह दुकान पर गए थे। गलती से स्कूटी की चाबी गाड़ी में ही छूट गई। पांच मिनट बाद वापस आए तो स्कूटी गायब थी। डिग्गी में आईसीआईसीआई, पीएनबी और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के चेक व नकदी रखी थी। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन नहीं मिला। घटना में दस दिन बाद सोमवार को प्रेमनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। एसओ कुंदन राम ने बताया कि चोर की तलाश की जा रही है।

आईटीबीपी सीमाद्वार के पास से कर्मचारी की बाइक चोरी : बसंत विहार थाना क्षेत्र में आईटीबीपी सीमाद्वार के पास खड़ी एक कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। रायपुर खादर निवासी नेहल गोंडवाल ने बताया कि 29 दिसंबर को वह अपनी बाइक सीबीआई गेट के पास खड़ी कर आईटीबीपी कैंटीन में काम पर चले गए ए

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल ने किया कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

देहरादून। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल ने कांग्रेस पर अंकिता हत्याकांड को लेकर दुष्प्रचार का आरोप लगाते हुए धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के अल्का डेयरी चौक धर्मपुर में मंगलवार को प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष वासुदेव जखमोला के नेतृत्व में आयोजित किया गया। महानगर के पूर्व जिला महामंत्री रतन सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार ने अंकिता हत्याकांड का त्वरित संज्ञान लेते हुए दोषियों की गिरफ्तारी की। साथ ही न्याय प्रक्रिया का पालन करते हुए तीनों अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई गई। इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए इस संवेदनशील मामले का लगातार दुष्प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बार–बार इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए उछालकर अंकिता का अपमान कर रही है। जहां एक ओर उनकी आत्मा की शांति के लिए संवेदनशीलता की आवश्यकता है, वहीं कांग्रेस इस मामले को राजनीतिक हथियार बनाकर पीड़ित परिवार और समाज की भावनाओं को आहत कर रही है। भाजपा इसका मंडल स्तर पर पुरजोर विरोध कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

26 से 28 फरवरी तक बिलखेत में होगा नयार घाटी साहसिक महोत्सव

पैराग्लाइडिंग, माउंटेन बाइकिंग, क्याकिंग व एंग्लिंग से बढ़ेगा साहसिक खेलों का रोमांच

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में विकास भवन में नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल-2026 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में साहसिक गतिविधियों से संबंधित पंजीकरण प्रक्रिया एवं व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार के साहसिक महोत्सव से नयार घाटी को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने प्रतिभागियों के ठहरने, परिवहन व्यवस्था, उद्घाटन समारोह, पुरस्कार वितरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 26 से 28 फरवरी तक बिलखेत में तीन दिवसीय नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान पैराग्लाइडिंग, क्याकिंग, माउंटेन बाइकिंग (एमटीबी), साइक्लिंग एवं एंग्लिंग जैसी साहसिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह आयोजन जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग एवं मत्स्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत लैंसडाउन, बिलखेत एवं खिर्सू क्षेत्रों में माउंटेन बाइकिंग, ढ़ाढूखाल से बिलखेत तक पैराग्लाइडिंग तथा नयार नदी में क्याकिंग एवं एंग्लिंग प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। साथ ही बिलखेत में स्थानीय लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, मत्स्य निरीक्षक एकता देवपा, जर्नी क्राफ्ट से मयंक, अजय कंडारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की जल जीवन मिशन कार्यो की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मंगलवार को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने जल संस्थान और जल निगम के अधिकारियों को जल जीवन मिशन स्वीकृत योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों को जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगतिरत फेज 2 योजनाओं के कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराये जाने के निर्देश। उन्होंने टीपीआई (थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन) के कार्मिकों को गांवों में किए जा रहे हर घर जल सर्वेक्षण कार्यो को शीघ्र पूरा कर तय समय में वास्तविक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। साथ ही जल संस्थान और जल निगम के अधिकारियों को जल जीवन मिशन के तहत आ रहीं शिकायतों और समस्याओं का तत्काल निस्तारण करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को हर घर जल सर्टिफिकेशन और स्रोत की जियो टैगिंग में वांछित प्रगति लाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में जल जीवन मिशन के तहत पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वन क्षेत्र के अंतर्गत लंबित योजनाओं को वन विभाग के अधिकारियों से समन्वय करते हुये शीघ्र निस्तारित करने को कहा।

इस दौरान जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी ने बताया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन एवं जल स्रोतों के सुधारीकरण हेतु दूसरे चरण में जनपद में कुल 571 योजनाओं में से 472 पूर्ण कर ली गई है और 99 योजनाओं का कार्य चल रहा है। हर घर जल के अंतर्गत 1113 गांवों के सापेक्ष 729 गांवों में सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। कुल 1338 पेयजल स्रोत में से 1229 स्रोत की जियो टैगिंग कर ली गई है। बैठक में परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, एसडीओ मोहन सिंह, एसडीओ विकास दरमोड़ा, जल संस्थान के सा. अभियंता दिनेश चन्द्र पुरोहित,अधिशासी अभियंता अरुण गुप्ता, ईई राकेश सिंह, ईई अरुण प्रताप सिंह सहित एससी पेयजल निगम मो. वसीम अहमद एवं थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन कार्मिक वर्चुअल जुड़े थे।

किसानों ने आरटीओ दफ्तर पर प्रदर्शन कर दिया धरना

देहरादून। भारतीय किसान यूनियन से जुड़े किसानों ने परिवहन विभाग पर मनमानी का आरोप लगाया। आक्रोशित किसानों ने मंगलवार को आरटीओ दफ्तर पर प्रदर्शन कर धरना दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा ने कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारी किसानों को परेशान करने का काम कर रहे हैं। उनके वाहनों का रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा रहा है, उनको रजिस्ट्रेशन के लिए चक्कर कटवाए जा रहे हैं। वाहनों के भारी भरकम चालान किए जा रहे हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए दूसरे प्रांतों में जाने के लिए कहा जा रहा है, जिसे किसान बर्दाश्त नहीं करेंगे। चेताया कि यदि जल्द मनमानी पर रोक नहीं लगी तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर मोहित गर्ग, विक्रांत वर्मा, कविंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

फोन पर हुई बहस में प्रॉपर्टी डीलर पर जानलेवा हमला

देहरादून। फोन पर परिचित से हुई मामूली कहासुनी के बाद रांझावाला में रविवार देर रात एक प्रॉपर्टी डीलर पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने घर लौट रहे युवक की गाड़ी रुकवाई और उस पर नुकीली चीज से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित के जीजा की तहरीर पर दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार रांझावाला निवासी पासर सिरजवाल ने बताया कि उनका साला राहुल सूरी (प्रॉपर्टी डीलर) चार जनवरी की रात करीब 12 बजे अपने दोस्त विवेक के साथ अपनी फॉर्च्यूनर कार से घर लौट रहा था। रांझावाला स्थित यूको बैंक के पास पहले से ही एक स्विफ्ट कार में पड़ोसी मयंक वर्मा और शरद पाल बैठे थे। पड़ोसी होने के नाते राहुल ने अपनी गाड़ी रोक ली। आरोप है कि तभी पुरानी रंजिश और फोन पर मामूली कहासुनी में मयंक वर्मा के उकसाने पर शरद पाल ने राहुल पर किसी नुकीली चीज से हमला बोल दिया। हमलावर ने राहुल के पेट के दोनों तरफ, बाएं बाजू और दाहिनी जांघ पर कई वार किए, जिससे वह लहुलुहान होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद राहुल के दोस्त विवेक ने बीच–बचाव किया। जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। विवेक घायल राहुल को लेकर पहले सीएचसी रायपुर पहुंचा। वहां से पहले और फिर दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल राहुल का वहीं इलाज चल रहा है।

बंदरों ने एक दुकानदार और महिला वनकर्मी पर किया हमला

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक मुख्यालय कंडीसौड़ में बंदरों की दहशत बनी है। बंदरों ने एक दुकानदार और नर्सरी में काम कर रही महिला वनकर्मी पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। परेशान लोगों ने वन विभाग से बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है। मंगलवार को ही होटल व्यवसायी हीरा सिंह पंवार अपने होटल में था। बंदरों का एक झुंड उसके होटल में घुसा। उन्हें भगाने के लिए सामने आए हीरा सिंह पर बंदरों ने हमला कर दिया जिससे उसके हाथ और पैर में काफी घाव हो गए। बाजार में ही टिहरी डैम वन प्रभाग कार्यालय के बाहर नर्सरी में रोशनी देवी निराई–गुड़ाई कर रही थी। इस दौरान वहां से गुजर रहे बंदरों के झुंड में से एक बंदर ने महिला कर्मी पर हमला कर दिया जिससे उसे भी अस्पताल जाना पड़ा। वरिष्ठ फार्मासिस्ट सुरेंद्र सिंह पुरासोड़ ने बताया कि एक महीने में ही 15 से अधिक लोगों को काट चुके हैं। व्यापार सभा अध्यक्ष सुमेर सिंह पंवार, प्रधान सुमन सिंह गुसाईं ने बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। वन दरोगा प्रवीण असवाल ने कहा कि कुछ समय पहले पिंजरा लगाया गया था। लोग सड़क किनारे कचार फेंक रहे हैं। इससे बंदरों की संख्या बढ़ रही है। स्थिति को देखते हुए फिर से पिंजरा लगाया जाएगा।

जल्द होगा तरसाली में शेष 800 मीटर सड़क का निर्माण

रुद्रप्रयाग। तरसाली में 800 मीटर सड़क निर्माण को लेकर लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है। बीते सोमवार को ग्रामीणों ने श्रमदान कर मार्ग का निर्माण शुरू किया गया था तो लोनिवि की ओर से तुरंत जेसीबी भेजी गई। अब मंगलवार को इसी संबंध में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और लोनिवि के अधिकारियों की बैठक हुई। एसडीएम ने जल्द सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। बैठक में अध्यक्षता एसडीएम ऊखीमठ अनिल शुक्ला ने की। बैठक में लोनिवि के अधिकारियों ने बताया कि मार्ग निर्माण क्षेत्र संवेदनशील होने के कारण 800 मीटर सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। इस दौरान उन्होंने सर्वे रिपोर्ट भी सामने रखी। इस बीच सड़क का निर्माण आरसीसी या टाइल्स से निर्माण पर भी चर्चा हुई। इस पर ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य व ग्रामीणों ने सहमति जताई। एसडीएम ने भरोसा दिलाया कि उक्त सड़क को चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले पूरा कर दिया जाएगा। एसडीएम के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने श्रमदान रोक दिया।

अंकिता को न्याय दिलाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध : धामी

माता–पिता की भावनाओं के अनुरूप होगा अगला निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अंकिता भंडारी प्रकरण पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता को न्याय दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इस दिशा में सरकार ने पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जघन्य अपराध की निष्पक्ष एवं गहन जांच के लिए महिला अधिकारी श्रीमती रेणुका

देवी की अध्यक्षता में विशेष जांच दल का गठन किया गया था, जिसने मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की। सरकार की सशक्त और प्रभावी न्यायालयीय पैरवी के परिणामस्वरूप तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच पर न केवल निचली अदालत, बल्कि माननीय उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय ने भी संतोष व्यक्त किया है, जो जांच की निष्पक्षता और मजबूती को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि वर्तमान में किसी कथित ऑडियो क्लिप के आधार पर प्रदेश में अनावश्यक माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी गंभीरता से अपने निष्कर्ष तक पहुंच चुकी है और दोषियों को कड़ी सजा मिल चुकी है। सीबीआई जांच के विषय पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यद्यपि पूरे प्रदेश की जनता की भावनाएं बेटी अंकिता के साथ जुड़ी हुई हैं, लेकिन इस दुःखद घटना से सबसे अधिक प्रभावित उसके माता-पिता हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अंकिता के माता-पिता से बात करेंगे और उनकी भावनाओं, पीड़ा एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ही आगे कोई निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बहुद्देशीय शिविर में दर्ज 58 शिकायतों में से 15 का निस्तारण

ऋषिकेश। ग्राम खदरी में ह्यजन–जन की सरकार, जन–जन के द्वारह्व कार्यक्रम के तहत आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में विभिन्न विभागों की 58 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें करीब 15 शिकायतों का निस्तारण हुआ और अन्य के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। वहीं, शिविर में जंगली जानवरों और बंदरों के आतंक की समस्याएं छाई रहीं, लेकिन मौके पर वन विभाग के अधिकारी मौजूद न होने से लोग भड़क गए। उन्होंने वन विभाग से जंगली जानवरों को आबादी क्षेत्र में घुसने से रोकने को ठोस कदम उठाने की मांग की। वहीं, अन्य विभागीय समस्याओं की भी भरमार देखने को मिली। मंगलवार को राजकीय इंटर कालेज खदरी में आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में उपजिलाधिकारी ऋषिकेश योगेश मेहरा की अध्यक्षता में 26 विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने क्षेत्रीय लोगों की शिकायतें सुनीं। शिविर में प्रमुख शिकायतें वन विभाग से जुड़ी रहीं। लोगों ने खदरी, श्यामपुर, भट्टोवाला, गुमानीवाला समेत कई अन्य क्षेत्रों में हाथी की आमद और बंदरों के आतंक पर गहरी चिंता जाहिर की। एक सप्ताह पहले खदरी और श्यामपुर में भालू के घुसने को लेकर लोगों ने आपबीती सुनाई। वन विभाग को अधिकारी–कर्मी मौजूद न होने पर एसडीएम ने वन विभाग के अधिकारी को फोन पर शिविर में आने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान खदरी संगीता थपलियाल ने पशुपालन विभाग से मृत पशुओं के निस्तारण की उचित व्यवस्था करने की मांग की। वन विभाग से हाथी, भालू व बंदरों के बढ़ते आतंक से निजात दिलाने और श्रम विभाग से स्थानीय लोगों के लिए श्रम कार्ड शिविर लगाने की मांग की। शांति प्रसाद थपलियाल ने सौंग नदी पर क्षतिग्रस्त तटबंध की सुध न लेने पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों के समक्ष रोष जताते हुए शीघ्र सुरक्षा दीवार निर्माण की मांग की। इसके अलावा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खदरी में शिक्षकों की नियुक्ति न होने की समस्या भी उठाई। उन्होंने एसडीएम से ग्रामसभा की भूमि पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की।

घंटाघर में स्थित रैन बसेरा में न आश्रितों के लिए बेड न ही महिलाओं के लिए ऐंट्री

देहरादून। ठंड बढ़ने के साथ ही रैन बसेरे में आश्रितों की संख्या भी बढ़ने लगती है। इसके बाद भी रैन बसेरों के हालत का कोई गौर नहीं करता है। घंटाघर में स्थित रैन बसेरा में 100 लोगों के रहने की व्यवस्था है। यहां पर सोने के लिए दो हॉल हैं। हर एक हॉल में 50 लोगों के लिए गद्दे और कंबल हैं। लेकिन लोग के लिए बेड न होने की वजह से उन्हें जमीन पर गद्दा बिछाकर सोना पड़ रहा है। साथ ही हॉल में रूम हीटर की भी कोई व्यवस्था नहीं है। इस वजह से उन्हें इतनी ठंड में कंबल के सहारे ही रहना पड़ रहा है। वहीं यहां पर महिलाओं के रहने की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां पर केवल पुरूष ही आ सकते हैं। रैन बसेरे के प्रबंधक प्रदीप बंसल का कहना है कि रैन बसेरे का संचालन दून शैल्टर्स सोसायटी फॉर द होमलैस कर रही हैं। यहां पर हमेशा 80 से 100 के बीच लोग रहते हैं। उनके लिए यहां पर रजाई– गद्दे की उचित व्यवस्था है। साथ ही उन्हें अन्य सुविधाएं भी नहीं दी जाती है। लेकिन यहां पर बेड नहीं है इसका कारण है कि बेड लग जाने से यहां पर लोगों के रहने की संख्या कम हो जाएगी।

जंगली जानवर फसलों को पहुंचा रहे नुकसान

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि ब्लॉक सभागार में मंगलवार को बीडीसी बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क निर्माण एवं मरम्मत, मुआवजा, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, विद्युत व्यवस्था, मानव–वन्यजीव संघर्ष, जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान जैसे विषयों पर चर्चा की गई। वहीं वीबी–जी राम जी मनरेगा के अंतर्गत नेटवर्कविहीन क्षेत्रों में श्रमिक ऑनलाइन उपस्थिति से जुड़ी समस्या, योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रधानों की संस्तुति, शिलापट्टों पर ग्राम प्रधान का नाम अंकित करने, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के मानदेय में वृद्धि तथा कूड़ा निस्तारण के लिए वाहनों की संख्या बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार–विमर्श किया गया। अगस्त्यमुनि क्षेत्र पंचायत प्रमुख भुवनेश्वरी देवी ने सभी विभागों से जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को शीघ्र धरातल पर उतारने का आग्रह किया। रुद्रप्रयाग विधायक भरत चौधरी ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण है। पीएमजीएसवाई फेज–4 के अंतर्गत सर्वाधिक सड़कें जनपद रुद्रप्रयाग में निर्मित की जा रही हैं। बैठक में ज्येष्ठ प्रमुख शांति प्रसाद चमोला, कनिष्ठ प्रमुख सविता भंडारी, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, उप वन संरक्षक रुद्रप्रयाग रजत सुमन, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि सुरेश शाह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com